

21वीं सदी की बागवानी फसलों की उन्नत किस्में



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
नई दिल्ली - 110 012

ISBN : 978-81-986753-8-5

21वीं सदी की बागवानी फसलों की उन्नत किस्में



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
नई दिल्ली - 110012

दिसम्बर 2025 में प्रकाशित

निदेशक : सीएच. श्रीनिवास राव

संयुक्त निदेशक : विश्वनाथन चिन्नुसामी
(अनुसंधान)

संकल्पना : हिन्दी प्रकाशन समिति

लेखक : डॉ बी.एस. तोमर, डॉ ए.के. सुरेजा, डॉ जी.एस. जाट, डॉ चंद्र प्रकाश, डॉ परेश बी. चौखंडे,
डॉ ओ.पी. अवस्थी, डॉ कन्हैया सिंह, डॉ मार्कंडेय सिंह, डॉ नमिता तथा डॉ गुणेशा राम

संपादन एवं सहयोग : अंजलि आनंद
अतुल कुमार
बी.एस. रावत

उद्धरण : 21वीं सदी में बागवानी फसलों की उन्नत किस्में, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 157

मुद्रित प्रतियां : 200

मूल्य : 150/- रुपये

ISBN : 978-81-986753-8-5

© 2025—भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, सर्वाधिकार सुरक्षित
वेबसाइट www.iari.res.in

प्रकाशक : निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की ओर से प्रकाशन यूनिट द्वारा
प्रकाशित एवं मैसर्स एम.एस. प्रिंटर्स, सी-108/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1,
नई दिल्ली-110 028, फोन: 011-45404606, मोबाइल: 7838075335
ईमेल: msprinter1991@gmail.com

आमुख



भारत देश में प्रति व्यक्ति भूमि संसाधन मात्र 0.121 हेक्टेयर रह गया है, जो बढ़ती जनसंख्या के कारण लगातार घट रहा है। ऐसी स्थिति में कम से कम समय और कम भूमि में अधिकतम उत्पादन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बागवानी फसलें अन्य फसलों की तुलना में अधिक उत्पादन क्षमता रखती हैं और कम समय व कम भूमि में भी पर्याप्त खाद्य उपलब्ध करा सकती हैं। पोषण आधारित भोजन भारतीय आहार की विशेषता है, परन्तु हमारे भोजन में कैलोरी, प्रोटीन, विटामिन-A और राइबोफ्लेविन की भारी कमी पाई जाती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद के अनुसार हमारे देश में फल-सब्जियों का पर्याप्त मात्रा में सेवन न करना भी कुपोषण का प्रमुख कारण माना गया है। आहार वैज्ञानिकों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए प्रतिदिन कम से कम 400 ग्राम सब्जियों का सेवन आवश्यक है, जिसमें 125 ग्राम हरी पत्तेदार सब्जियाँ, 100 ग्राम जड़ वाली सब्जियाँ तथा 175 ग्राम अन्य सब्जियाँ शामिल हों। सब्जियों तथा फलों में विटामिन तथा खनिज अत्यधिक मात्रा में पाए जाते हैं, इसलिए इन्हें सुरक्षात्मक खाद्य भी कहा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी कम करने तथा स्थायी भोजन एवं पोषण उपलब्ध कराने में सब्जियाँ तथा फल सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। सब्जियाँ तथा फल पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत हैं। इनमें पाए जाने वाले प्रति ऑक्सीकारक शरीर को ऑक्सीडेटिव तनाव, कैंसर तथा अन्य बीमारियों से बचाते हैं और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। इसी कारण सब्जियाँ तथा फल स्वस्थ आहार का अनिवार्य हिस्सा हैं, जो अनेक पोषक तत्व प्रदान करती हैं तथा विभिन्न रोगों की रोकथाम और शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होती हैं।

फूलों की फसलें भारतीय कृषि एवं उद्यानिकी का अत्यंत महत्वपूर्ण और उभरता हुआ क्षेत्र हैं। 21वीं सदी में जब कृषि विविधीकरण, उच्च आय, निर्यात संभावना तथा रोजगार सृजन की आवश्यकता तीव्र गति से बढ़ रही है, ऐसे समय में पुष्प उत्पादन कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रहा है। फूल न केवल सौंदर्य का प्रतीक हैं, बल्कि आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और पर्यावरणीय संतुलन में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पुष्प फसलों की उच्च लाभप्रदता, कम समय में त्वरित आय और छोटे कृषकों के लिए उपयुक्तता ने इन्हें आधुनिक खेती का अभिन्न अंग बना दिया है। देश में श्रृंगारिक पुष्पों, कट फ्लावरर्स, पुष्प-गुच्छों, महकदार फूलों तथा गमले वाले पौधों की बढ़ती मांग किसानों को बेहतर आय और स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान कर रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने पुष्प फसलों के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूसा द्वारा विकसित अधिक उत्पादन देने वाली तथा उत्कृष्ट रंग, आकार, सुगंध वाली किस्में देश भर के किसान, उद्यान प्रेमी और नर्सरी उद्यमियों के लिए वरदान सिद्ध होगी

किसानों, उद्यान प्रेमियों और बागवानी में रुचि रखने वालों के मन में अक्सर यह प्रश्न आता है कि कोनसी किस्मो का चयन करना चाहिए। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हमने "21वीं सदी की बागवानी फसलों की उन्नत किस्में" नामक यह पुस्तक तैयार की है, जिसमें बागवानी फसलों की किस्मों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी है जो की किसानों, उद्यमियों, निति निर्माताओं, विद्यार्थियों एवं बागवानी में रुचि रखने वालों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

अतः में डॉ बी. एस. तोमर, बागवानी संवयक तथा उनके साथियों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने बागवानी फसलों की उन्नत किस्मों के बारे में मूल्यवान जानकारी इस पुस्तक के माध्यम से दी।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 30 दिसम्बर 2025

श्रीनिवास राव
(सीएच. श्रीनिवास राव)
निदेशक

प्राक्कथन



वैश्वीकरण, जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या के दबाव के बीच, 21वीं सदी में खाद्य सुरक्षा, पोषण और किसानों की आय सुनिश्चित करने में बागवानी क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। बागवानी फसलें, जिनमें फल, सब्जियां, और फूल शामिल हैं, न केवल भोजन और पोषण प्रदान करती हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक मजबूत आधार भी हैं। इस सदी की सबसे बड़ी चुनौती इन फसलों की ऐसी उन्नत किस्मों का विकास और विस्तार है जो अधिक उपज देने वाली हों, पोषण तत्वों से भरपूर हों, रोग एवं कीट प्रतिरोधी हों, और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति अनुकूलन क्षमता रखती हों।

यह प्राक्कथन 21वीं सदी की प्रमुख बागवानी फसलों (सब्जी, फल और फूल) की उन उन्नत किस्मों और उनसे संबंधित अनुसंधान प्राथमिकताओं को रेखांकित करता है, जिन्होंने उत्पादन और उत्पादकता में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए हैं या भविष्य में लाने की क्षमता रखती हैं। सब्जियां भारतीय आहार का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। 21वीं सदी के अनुसंधान ने कई ऐसी किस्में प्रदान की हैं जो किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी सिद्ध हुई हैं। फल फसलों का अनुसंधान टिकाऊपन, पोषण मूल्य और अंतर्राष्ट्रीय बाजार की मांगों पर केंद्रित है। फूलों की खेती या पुष्पोत्पादन, को अक्सर 'उच्च मूल्य वाली खेती' कहा जाता है। इसमें मुख्य रूप से लंबी डंडी, आकर्षक रंग, और लंबी शैल्फ-लाइफ वाली किस्मों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

21वीं सदी में बागवानी क्षेत्र के अनुसंधान ने उन्नत किस्मों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सब्जियों में रोग प्रतिरोधी हाइब्रिड, फलों में सघन रोपण के लिए उपयुक्त बौनी किस्में (जैसे 'आम्रपाली'), और फूलों में उच्च मूल्य वाली कट-फ्लावर किस्में इस प्रगति का प्रमाण हैं।

आशा है यह पुस्तक भविष्य में, जीनोमिक्स, सटीक कृषि और जैविक खेती के साथ इन उन्नत किस्मों का एकीकरण, भारत को बागवानी उत्पादन में विश्व गुरु बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। हमारा अनुसंधान विंग इन किस्मों के तेजी से विकास, प्रमाणन और किसानों तक विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि देश के बागवानी परिदृश्य को 'स्वस्थ और समृद्ध भारत' की ओर ले जाया जा सके।

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 30 दिसम्बर 2025

विश्वनाथन

(विश्वनाथन चिन्नुसामी)
संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)

भारतीय कृषि-जलवायु परिस्थितियाँ विविध प्रकार की सब्जी, फल एवं फूल फसलों के उत्पादन में सहायक हैं तथा देश के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों—जैसे पर्वतीय, मैदानी तथा तटीय क्षेत्रों—में पाए जाते हैं। बागवानी फसलों में विविधीकरण, पोषण सुरक्षा और रोज़गार सृजन के लिए आर्थिक रूप से उपयोगी विकल्प के रूप में उभरा है और देश में पोषण सुरक्षा तथा गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कृषि में हरित क्रांति की सफलता के बाद भारत ऑर्गेनिक तथा प्राकृतिक कृषि की ओर बढ़ा है, जिसमें उच्च उत्पादक और गुणवत्तापूर्ण बीजों का चयन, कटाई के बाद बेहतर प्रबंधन, प्राथमिक प्रसंस्करण और विशेष रूप से विपणन के माध्यम से फलों का आधुनिक व्यावसायीकरण संभव हुआ है। विटामिन, खनिज-लवण, फाइबर और प्रति ऑक्सीकारक से भरपूर होने के कारण लोग आजकल स्वास्थ्य जागरूकता, बदलते खान-पान, जीवन स्तर और जीवन शैली के कारण अपने आहार में अधिक ताजा सब्जी एवं फल शामिल कर रहे हैं।

हमारे देश में प्रति व्यक्ति फलों की अनुशंसित लगभग 130 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन है, और सब्जियों की अनुशंसित लगभग 400 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन है। भारत, चीन के बाद बागवानी उत्पादन में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश है, परंतु प्रति इकाई उत्पादकता कई विकसित देशों और चीन की तुलना में अभी भी कम है। इसका मुख्य कारण उच्च उत्पादकता वाली किस्मों के बीजों की अनुपलब्धता, कम गुणवत्ता वाले बीज तथा उन्नत कृषि तकनीकियों का सीमित उपयोग हैं।

अतः राज्य स्तर के कृषि अधिकारियों और क्षेत्रीय कृषि पदाधिकारियों को चाहिए कि वे स्वीकृत और उन्नत किस्मों/संकरों की उत्पादन क्षमता का सही आकलन करें ताकि उनके उपयुक्त उपयोग के लिए किसानों को मार्गदर्शन दिया जा सके।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए “21 वीं सदी की बागवानी फसलों की उन्नत किस्में” नामक यह पुस्तक तैयार करने में हमें सफलता मिली है। इसके लिए हम बागवानी के संभागों के सभी वैज्ञानिकों तथा उनसे जुड़े तकनीकी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इन किस्मों और संकरों के संकलन एवं संपादन में सहयोग दिया।

हम निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली के प्रति भी आभारी हैं, जिन्होंने इस पुस्तक को तैयार करने हेतु मार्गदर्शन और निर्देश प्रदान किए तथा उच्च उत्पादन और पोषण पर आधारित फल अनुसंधान को सुविधा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हम अपने संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) के भी आभारी हैं, जिन्होंने इस पुस्तक को तैयार करने के लिए मार्गदर्शन और निर्देश दिए। साथ ही प्रकाशन में प्रमुख सहयोग के लिए संस्थान की प्रकाशन यूनिट का भी आभार व्यक्त करते हैं।

हमें आशा है कि यह पुस्तक नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं और किसानों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी तथा माननीय प्रधानमंत्री के “उन्नत कृषि-विकसित भारत” के सपने को साकार करने के लिए उच्च उत्पादन देने वाली एवं पोषक गुणों से भरपूर बागवानी-किस्मों के माध्यम से किसानों और उपभोक्ताओं के बीच बेहतर जुड़ाव स्थापित करेगा।

विषय-सूची

क्र. सं.	फसल	पृष्ठ संख्या	क्र. सं.	फसल	पृष्ठ संख्या
1.	बैंगन	2 - 13	23.	भिन्डी	81 - 83
2.	टमाटर	14 - 16	24.	मटर	84 - 85
3.	शिमला मिर्च	17	25.	लोबिया	86
4.	प्याज	18 - 21	26.	सेम	87 - 89
5.	खीरा	22 - 28	27.	बांकला	90
6.	करेला	29 - 35	28.	बधुआ	91
7.	लौकी	36	29.	सरसों साग	92
8.	तुराई	37 - 41	30.	पालक	93
9.	पैठा	42 - 44	31.	आम	96 - 105
10.	खरबूज	45 - 49	32.	नारंगी	106 - 107
11.	फूट	50	33.	नींबू	108 - 109
12.	ककड़ी	51	34.	चकोतरा	110
13.	टिंडा	52	35.	लेमन	111
14.	चप्पन कद्दु	53 - 54	36.	पपीता	112
15.	फूलगोभी	55 - 66	37.	अमरुद	113 - 114
16.	ब्रोककोली	67	38.	अंगूर	115 - 120
17.	बन्दगोभी	68 - 71	39.	गुलाब	122 - 130
18.	गाँठ गोभी	72	40.	गेंदा	131 - 135
19.	केल	73	41.	गुलदाउदी	136 - 146
20.	गाजर	74 - 77	42.	ग्लेडियोस	147 - 156
21.	मूली		43.	बोगेनविलिया	157
22.	मूली	78 - 80			

सब्जियों की उन्नतशील किस्में



विमोचन	• केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 597 (E), 25-04-2006
अनुमोदित क्षेत्र	• पंजाब, उत्तराखंड तथा बिहार
प्रजनन विधि	• संकरण उपरांत चयन
ऋतु	• खरीफ
औसत उपज (फल)	• 39 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 42 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 50-55 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	• लंबे, चिकने व गहरे बैंगनी फल • औसत फल भार 80-90 ग्राम
प्रजनक	• रविन्द्र कुमार एवं एस. एस. गुप्ता



विमोचन	• केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 4272 (E), 26-11-2019
अनुमोदित क्षेत्र	• (जोन 6) राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली • (जोन 7) मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र
प्रजनन विधि	• संकरण उपरांत चयन
ऋतु	• खरीफ
औसत उपज (फल)	• 32 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 39 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 50-55 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	• कांटे रहित पौधे, अर्धखड़ी शाखा एवं तने पर बैंगनी वर्णक • चौड़ी पत्तियां जिनकी मध्य जाल एवं शिराएं बैंगनी वर्णमय • उच्च फलन अवस्था पर पादप ऊंचाई 60-65 सेमी. • मध्यम आकार के बैंगनी फूल • फल 18-20 सेमी. लंबे, बेलनाकार, 3.5-4.5 सेमी. व्यास • चमकीले बैंगनी रंगदार के फल, कांटे रहित हरा इठल • फलन समूह में तथा एकल अवस्था में औसत फल भार 115 ग्राम
प्रजनक	• पार्थ साहा, ए. डी. मुंशी, टी. के. बेहरा, बी. एस. तोमर एवं वाई. ए. लिंगदोह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, बिहार, राजस्थान, गुजरात, दादर व नागर हवेली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संतति चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 37 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 55 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> लंबे, चिकने व गहरे बैंगनी फल औसत फल भार 85 ग्राम कांटे रहित पौधे, ऊर्ध्व शीर्ष शाखाएं जिसमें आंशिक रूप से मध्य जाल व बैंगनी वर्णक व शिराओं पर बैंगनी वर्ण फल लंबे, नीले बैंगनी व दूरस्थ सिरा गोल फल का भार 80-90 ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> रविन्द्र कुमार एवं ए. डी. मुंशी



विमोचन	• केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 268 (E), 28-01-2015
अनुमोदित क्षेत्र	• पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार
प्रजनन विधि	• ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	• खरीफ
औसत उपज (फल)	• 50 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 55 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 55 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • लंबे, चिकने व गहरे बैंगनी फल • औसत फल भार 85 ग्राम • कांटे रहित पौधे, ऊर्ध्व शीर्ष, पत्तियों व शाखाओं पर आंशिक रूप से हल्का बैंगनी वर्णक • फल लंबे, गहरे बैंगनी व चमकीले • फल का भार 80-90 ग्राम
प्रजनक	• रविन्द्र कुमार एवं ए. डी. मुंशी



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 35 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 50-55 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> अर्धऊर्ध्व शीर्ष शाखाएं सहित, कांटे रहित पौधे नई पत्तियों पर हल्का बैंगनी वर्णक रंग सफेद फल, गोल अंडाकार, हरित बाह्यदलपुंज औसत फल भार 50-60 ग्राम कुल फीनोल (31 मिग्रा. जी. ए. ई. /100 ग्रा.) उच्च प्रति ऑक्सीकारक क्रियाशीलता (3.5 क्यू प्रेक माइक्रोमोल टोलोक्स/ ग्रा. फ्रेप माइक्रोमॉल टोलोक्स/ग्रा.)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> रविन्द्र कुमार, ए. डी. मुंशी, पार्थ साहा, टी. के. बेहरा, वाई. ए. लिंगदोह, बी. एस. तोमर एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 45 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 55-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> कांटे रहित पादप, ऊर्ध्व शाखित नवीन पत्तियों, मध्य जाल व शिराओं पर हल्की बैंगनी धब्बेदार फल कांटे रहित हरा डंठल, फल का औसत भार 215 ग्राम फल में कुल फीनोल (31.21 मि. ग्राम जी.ए. ई./100 ग्राम) उच्च प्रति ऑक्सीकारक क्रियाशीलता (3.4 क्यूप्रेक माइक्रोमोल टोलोस्क/ग्राम) 3.07 फ्रेप माइक्रोमोल टोलोस्क/ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> रविन्द्र कुमार, ए. डी. मुंशी, पार्थ साहा, टी. के. बेहरा, वाई. ए. लिंगदोह, बी. एस. तोमर एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 1480 (E), 01-04-2021
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 41 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 58 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 55-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> मध्यम पत्तियों, हल्के बैंगनी रंग के मध्य शिरा व जाल पर वर्णक फूल मध्यम आकार व बैंगनी रंग फल गोल 15 सेमी. लंबे, 7.5 सेमी. व्यायुक्त चमकीले बैंगनी कांटे रहित हरा इंटल फल एकल लगते हैं औसत फल भार 250 ग्राम फल में प्रति ऑक्सीकारक क्रियाशीलता उच्च क्यूप्रेक 96 मिग्रा. जी. ए. ई./ 100 ग्राम ताजा भार और क्रेप 129 मि. ग्रा. ई/100 ग्राम ताजा भार भरता बनाने के लिए उपयुक्त उकठा रोग, वायरस समूह, छोटी पत्ती के लिए प्रतिरोधी
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> रविन्द्र कुमार, ए. डी. मुंशी, पार्थ साहा, टी. के. बेहरा, वाई. ए. लिंगदोह, बी. एस. तोमर एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 50.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 55.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण के 50-55 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> अगेती किस्म 05-55 दिन में तैयार होती है फल लंबे होते हैं, जिनका भार 120-125 ग्राम होता है। बिना कांटेदार, हरे कैलेक्स के साथ चमकदार बैंगनी रंग। फल एकान्त में तथा गुच्छों में लगते हैं।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पार्था साहा, ए. डी. मुंशी, टी. के. बेहेरा, रविंदर कुमार एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> शुद्ध वंशक्रम
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 38.5 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 43.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण के 50-55 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे सीधे और बिना कांटेदार होते हैं। पत्तियाँ मध्यम आकार की हरी शिराओं वाली होती हैं। फल लंबे (25 सेमी) और हरे रंग के होते हैं। फल का औसत भार 100 ग्राम होता है। पहली तुड़ाई रोपाई के 50-55 दिन बाद शुरू होती है। फल एकान्त में लगते हैं। कैलेक्स हरे रंग का और गैर-कांटेदार होता है। यह कुल फिनोल (97.72 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम) और प्रति ऑक्सीकारक (क्युप्रेक-131.83 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम, एफआरएपी-160.47 (मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम) से भरपूर है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पार्था साहा, ए. डी. मुंशी, बी. एस. तोमर, वाई. ए. लिंगदोह, रविंदर कुमार एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 40.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 44.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण के 50 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह खरीफ मौसम में लगाने के लिए उपयुक्त पौधों का प्रकार बौना और अर्ध फैलने वाला होता है। पत्तियाँ हल्की हरी नसों के साथ छोटी। फल सफ़ेद और लम्बे (15 – 20 सेमी) फल का औसत भार 80 – 100 ग्राम फल गुच्छों के साथ-साथ एकान्त में लगते हैं। कैलेक्स हरा और गैर-काँटेदार होता है। कुल फिनोल (97.72 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम) और प्रति ऑक्सीकारक क्युप्रेक (94.20 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम), एफआरएपी (100.93 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पार्था साहा, ए. डी. मुंशी, बी. एस. तोमर, वाई. ए. लिंगदोह, रविन्द्र कुमार एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 39.5 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 42 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण के 55-60 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> अगेती किस्म (55-60 दिन) फल अंडाकार-गोल, बिना कांटेदार, हरे बाह्यदल के साथ चमकदार बैंगनी फल एकान्त में लगते हैं, औसत भार 052 ग्राम। भरता बनाने के लिए उपयुक्त फ्यूजेरियम म्लानि, विषाणु रोगों और छोटी पत्ती के लिए प्रतिरोधी खरीफ मौसम में उगाने के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पार्था साहा, बी. एस. तोमर, ए. डी. मुंशी, रविन्द्र कुमार, टी. के. बेहेरा, वाई. ए. लिंगदोह एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 4917 (E), 13-11-2024
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> वंशावली चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> ख़रीफ़ मौसम
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 32 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 50 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> गैर-काँटेदार, नई पत्तियाँ, मध्य सिरा और शिराओं पर बैंगनी रंग के साथ फैली हुई शाखाएँ फल अंडाकार, गोल, चमकीले गहरे बैंगनी रंग के होते हैं, फलों का औसत भार 50-60 ग्राम होता है कुल फिनोल (119.84 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम), प्रति ऑक्सीकारक (सीयूपीआरक 106.20 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम, एफआरएपी 136.34 मिलीग्राम जीएई/100 ग्राम) होता है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पार्थ साहा, बी. एस. तोमर, वाई. ए. लिंग्दोह, ए. डी. मुंशी, रविंदर कुमार, जे.के. रंजन एवं जोगेंद्र सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> संरक्षित खेती के लिए उपयुक्त
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 1.5 टन/100 मी² पॉलीहाउस
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 1.65 टन/100 मी² पॉलीहाउस
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण के 70-75 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल गोल, गहरे लाल रंग के होते हैं औसत फल का भार 100 ग्राम पके लाल फलों का टीएसएस 5.1^o ब्रिक्स और लाइकोपीन की मात्रा 6.0 मि.ग्रा./100 ग्रा. होती है फल का गूदा मोटा (8 मिमी) और लंबी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त 7-8 महीने की अवधि में पॉलीहाउस की औसत उपज क्षमता 15 क्विं./100 मी² है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> आर. के. यादव, बी. एस. तोमर, जाकिर हुसैन, पी. के. सिंह, हर्षवर्धन चौधरी, सुमन लता एवं गोगराज सिंह जाट



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 4917 (E), 13-11-2024
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पौधे का चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> शरद-वसंत में तथा ग्रीष्म में खुले खेत में
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 45 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 47 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुआई के 50-55 दिनों में
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह एक बढ़वार वाली किस्म है जो खुले खेत (अक्तूबर-मई) के लिए उपयुक्त है। फल गोल, गहरे लाल रंग के होते हैं और फलों का औसत भार 75-80 ग्राम होता है। फलों के छिलके की मोटाई 7.0 मिमी, टी.एस.एस. 4.8 डिग्री ब्रिक्स और लाइकोपीन 6.0 मिलीग्राम/100 ग्राम होता है।



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 261 (E), 16-01-2018
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• शुद्ध वंशक्रम चयन
ऋतु	• प्राकृतिक हवादार/ कम लागत पॉलीहाउस/नेटहाउस में मध्य अगस्त से मध्य मई
औसत उपज (फल)	• 5 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 8 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• रोपण उपरांत 70-75 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • प्रथम चेरी टमाटर किस्म जो हरित गृह वातावरण में उगाने हेतु उपयुक्त • असीमित बढ़वार, हल्की हरी पत्तियां, मध्यम रोमिल तना व पत्तियां • लता की औसत लंबाई 9-12 मीटर • फल गोल व एक रूप परिपक्वता, गहरा लाल रंग • औसत पुष्प गुच्छ 18.5 /पौधा • औसत फल भार 13 ग्राम • औसत फल भार 22 किग्रा./पौधा • फसल अवधि 9-10 माह • जड़ सूत्रकृमि के लिए सहनशील • फल में लाइकोपीन 5.40 मिग्रा. /100 ग्राम ताजा भार • एस्कॉर्बिक अम्ल 20.7 मिग्रा. /100 ग्राम ताजा भार, अम्लता 0.43 व कुल विलय लवण (10.4 ब्रिक्स)
प्रजनक	• बलराज सिंह, अविनि कुमार सिंह, प्रीतम कालिया, राज कुमार, बी. एस. तोमर एवं एन. साबिर



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3254 (ई), 20.07.2022
अनुकूलन का क्षेत्र	• जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड
प्रजनन विधि	• चयन
ऋतु	• ग्रीष्म ऋतु
औसत उपज	• 21 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 23 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• ग्रीष्म-बरसात के मौसम में रोपण के 70-75 दिनों के बाद फल पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • फल आकर्षक हरे रंग व बेल के आकार और तीखापन रहित होते हैं। • फल 6.0 से 7.0 से. मी. लंबे, मुलायम छिलका, कुरकुरा, कोमल गूदा और फल का औसत भार 70 ग्राम है।
प्रजनक	• विनोद के. शर्मा, राज कुमार, चन्द्र प्रकाश, संदीप कुमार, संदीप कुमार जी. एम. एवं एन. आर. प्रसन्ना कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> स्व-निषेचन व समूहन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 31 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 35 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 130-140 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> सख्त कंद, चपटे, गोल व गहरे लाल रंगयुक्त कंद का औसत भूमध्यरेखीय व्यास (4.5-6.0 सेमी), धूर्वीय व्यास (4.8-6.3 सेमी.) एक कंद का भार (70-100 ग्रा.) तीखी गंधयुक्त व प्रति ऑक्सीकारक (क्युरिसिटीन 105 मिग्रा./100 ग्रा.) भंडारण व निर्यात हेतु उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> सुबोध जोशी, सबीना इस्लाम, श्रीधर, बी. एस. तोमर एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 4868 (E), 14-09-2018
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा।
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> स्व-निषेचन व समूहन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 25 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 140-160 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> सख्त कंद, चपटे, गोल व भंडारण शुष्कन, प्रसंसकरण व निर्यात हेतु उपयुक्त कंद का औसत भूमध्यरेखीय व्यास (4.5-6.0 सेमी), धूर्वीय व्यास (4.5-6.5 सेमी) एक कंद का भार (70-100 ग्रा.) उच्च कुल विलय ठोस (17+2° ब्रिक्स)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> सुबोध जोशी, सबीना इस्लाम, बी. एस. तोमर एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 4868 (E), 14-09-2018
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, जम्मू कश्मीर व पंजाब
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> स्व-निषेचन व समूहन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 25 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 125-135 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पादप ऊंचाई 50-60 सेमी, कम हरी पत्तियां, मोमपरत युक्त उर्ध्वकार पत्तियां कंद सख्त, गेनेक्स आकार, पीले रंग के कंद कंदों का औसत भूमध्यरेखीय व्यास 5.0-6.5 सेमी, धूर्वीय व्यास 5-6 सेमी कंदो का भार 60-75 ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> सुबोध जोशी, अनिल खार, सबीना इस्लाम, बी. एस. तोमर एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 25 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 130-140 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> भारत में व्यापारिक खेती हेतु प्रथम गुच्छन प्याज की किस्म बहु कटाई हेतु उपयुक्त किस्म हरी प्याज साल भर उत्पादन हेतु उपयुक्त नीली हरी मोम परत युक्त पत्तियां बहुगुणन हेतु गुच्छों का पृथकरण कीट/पतंगों व रोगों का कम प्रभाव
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> सुबोध जोशी, सबीना इस्लाम एवं प्रीतम कालिया



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• चयन
ऋतु	• खुली खेत की परिस्थितियों में खेती के लिए वसंत-ग्रीष्म के मौसम के लिए उपयुक्त
औसत उपज (फल)	• 25 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• रोपण के 50-55 दिन
विशेषताएं	• फल: हल्का हरा, मध्यम आकार का, बेलनाकार, चिकनी सतह वाला, और कड़वा-रहित, लंबाई 11-13 सेमी
प्रजनक	• वी. के. वर्मा एवं ए. डी. मुंशी



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 366 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 18 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 20 टन/हेक्टेयर
बुवाई से प्रथम तुड़ाई	<ul style="list-style-type: none"> 40-45 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उच्च आद्रता, उच्च तापमान और मृदुरोमिल आसिता रोग के प्रति शहनशीलता फल आकर्षक, हल्के हरे रंग के व हल्के सफेद रंग की धारियों (फलों के फूल के सिरे से निकलने वाले) और फल के तने के सिरे के पास गहरे हरे रंग के धसे हुए धब्बे होते हैं फल मध्यम आकार, 12-15 सेमी. लम्बे, बिना बालों वाले, बिना कांटेदार, कोमल त्वचा और कुरकुरे गूदे वाले होते हैं
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, रविन्द्र कुमार, टी. के. बेहरा, ए. के. सुरेजा, वी. के. पण्डिता एवं ए. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी (ऑफ-सीजन, नवंबर-मार्च)
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> कम लागत वाले पॉलीहाउस में 120 टन प्रति हेक्टेयर (1200 किग्रा./100 वर्ग मी.)
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 130 टन/हेक्टेयर
बुवाई से प्रथम तुड़ाई	<ul style="list-style-type: none"> 40-45 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> संरक्षित खेती के लिए उपयुक्त पार्थेनोकार्पिक गायनोसियस खीरा की पहली जल्दी उपज देने वाली उन्नत किस्म। फल आकर्षक, एकसमान, गहरे हरे, चमकदार, बेलनाकार, सीधे, बिना बालों वाले, बिना मस्से वाले और फल के सिरे पर थोड़े धारीदार और कोमल त्वचा, कुरकुरे गूदे वाले होते हैं। फलों की औसत लम्बाई, चौड़ाई और भार क्रमशः 14 सेमी, 3.5 सेमी और 105 ग्राम होते हैं।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, टी. के. बेहरा, ए. के. सुरेजा, अवनी कुमार सिंह, बलराज सिंह एवं जोगेंद्र सिंह



विमोचन	• केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 4272 (E), 26-11-2019
अनुमोदित क्षेत्र	• पंजाब, उत्तरप्रदेश, बिहार और झारखंड
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• बसंत ग्रीष्म और खरीफ
औसत उपज (फल)	• 18 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 20 टन/हेक्टेयर
बुवाई से प्रथम तुड़ाई	• खरीफ में 45-50 दिन और बसंत ग्रीष्म में 50-55 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • फल आकर्षक हल्के रंग के व हल्के सफेद हरे रंग की धारियों (फल के फूल के सिरे से उत्पन्न) और फल के तने के सिरे के पास भूरे चित्तीदार धब्बे होते हैं। • फल 15-18 सेमी. लंबे, बिना बालों वाले, बिना कांटेदार, मुलायम त्वचा वाले, कुरकुरे और कोमल गूदे वाले होते हैं। • फलों का औसत भार 150-160 ग्राम।
प्रजनक	• ए. डी. मुंशी, टी. के. बेहरा, ए. के. सुरेजा, जोगेंद्र सिंह एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 1740 (E), 01-04-2021
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत ग्रीष्म और खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 24 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 40-45 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल आकर्षक हरे रंग के होते हैं जिनमें फूल के सिरे से निकलने वाली हल्की सफेद हरी धारियां होती है और तने के सिरे के पास भूरे चित्तीदार धब्बे होते हैं फल 18-20 सेमी. लंबे, कोमल त्वचा वाले, कुरकुरे और कोमल गूदे वाले होते हैं फलों का औसत भार 200-210 ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, टी. के. बेहरा, ए. के. सुरेजा, जोगेंद्र सिंह, बी. एस. तोमर एवं एस. एस. डे



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 1362 (E), 12-03-2024
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	• वसंत-ग्रीष्म और खरीफ़
औसत उपज (फल)	• 140 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 148 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुआई के 40-45 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • संरक्षित खेती के लिए उपयुक्त पार्थेनोकार्पिक गाइनोसियस खीरे की पहली संकर • नेट हाउस और/या पॉलीहाउस के तहत साल में तीन बार उगाई जा सकती है। • पॉलीहाउस और कीट अवरोधी नेट हाउस में बुवाई के बाद 40-45 दिनों में पहली तुड़ाई के लिए फल तैयार। • फल आकर्षक, समान, गहरे हरे, चमकदार, बेलनाकार, सीधे कोमल त्वचा और कुरकुरे गुदे वाले होते हैं। • फल की औसत लंबाई 18.32 सेमी और चौड़ाई 3.14 सेमी। • फल का औसत भार 115.0 ग्राम।
प्रजनक	• श्याम सुंदर डे, ए. डी. मुंशी, टी. के. बेहरा, जोगेंद्र सिंह, बी. एस. तोमर एवं अमीश के. सुरेजा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पदन चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> सर्दियों के मौसम में पॉलीहाउस में और वसंत ऋतु में कीट अवरोधी नेटहाउस में उपयुक्त
औसत उपज (पत्तियां)	<ul style="list-style-type: none"> 80-85 टन/हेक्टेयर (80-85 किग्रा/100 मीटर पॉलीहाउस)
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 82-87 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 45-50 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> कम लागत वाले पॉलीहाउस के तहत सर्दियों के मौसम (ऑफ-सीजन, नवंबर-मार्च) के दौरान बुवाई के बाद 40-45 दिनों में पहली तुड़ाई फल गहरे हरे, चमकदार, बेलनाकार, सीधे, काटने का निशानवाला, घने कांटेदार और खस्त गूदे वाले होते हैं। फलों की लंबाई 8.5 सेमी और घेरा 2.0 सेमी है। औसत फल भार 18-20 ग्राम होता है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, ए. के. सुरेजा, टी. के. बेहेरा, बी. एस. तोमर, जोगेद्र सिंह एवं एस. एस. डे



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 2277 (E), 17-08-2015
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> वंशावली विधि
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 12.8 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 15 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 48-52 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल हल्के हरे, मध्यम लंबे और मध्यम मोटे होते हैं जिनमें 7-8 सतत धारियां होती हैं। फलो की औसत लंबाई 16 सेमी. फलो का औसत भार 85 ग्राम. व्यावसायिक किस्म की तुलना में इसमें मादा नर पुष्प अनुपात (3:1) अधिक
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> टी. के. बेहेरा एवं ए. डी. मुंशी



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 1979 (E), 12-08-2010
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• बसंत-ग्रीष्म
औसत उपज (फल)	• 8.8 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 10 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुवाई से 50-55 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • फल आकर्षक, गहरे हरे रंग के, आकार में छोटे (4-5 सेमी लंबे और 3-4 सेमी व्यास) नुकीले ट्यूबरकल, कांटेदार और उच्च शुष्क पदार्थ के साथ कुरकुरे (क्रिस्पी) गूदे वाले होते हैं। • फलों का औसत भार 15-20 ग्राम होता है।
प्रजनक	• टी. के. बेहेरा, ए. डी. मुंशी एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 4.54 टन/1000 वर्ग मी. कीट अवरोधी नेट हाउस और 4.07 टन/1000 वर्ग मी. पॉलीहाउस
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 5.0 टन/1000 वर्ग मी. पॉलीहाउस
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 40-45 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल चिकने, गहरे हरे रंग के, कोमल त्वचा के साथ बिना कांटेदार, रसदार व अधिक गूदे वाले होते हैं और शिमला मिर्च के फलों की तरह अद्वितीय आकार (त्रिकोणीय) होते हैं। फलों का औसत भार 110 ग्राम संरक्षित स्थिति में खेती के लिए उपयुक्त बीज काले रंग के होते हैं।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> टी. के. बेहेरा, ए. डी. मुंशी एवं अवनी कुमार सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 22 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 25 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 45-50 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह गायनोसियस आधारित करेले की प्रथम संकर किस्म है जो पूसा दो मौसमी (1:9) की तुलना में उच्च मादा: नर फूल अनुपात (2:1) होते हैं। फल गहरे हरे, मध्यम लंबे (फलों की औसत लंबाई 16.0 सेमी) और मध्यम मोटे होते हैं। फलों में असंतत लकीरें होती हैं। फलों का औसत भार 60 ग्राम।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> टी. के. बेहेरा, ए. डी. मुंशी, गोगराज सिंह जाट, बी. एस. तोमर एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू और कश्मीर और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> ग्रीष्म एवं वर्षा
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> जोन-I में औसत उपज 40.53 टन/हेक्टेयर और जोन-VI में 60.33 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40.5 टन तथा 37.5 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 45-50 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उच्चतर मादा: नर फूल अनुपात 2:1 फल आकर्षक, हरे रंग के, फल की औसत लंबाई 16.4 सेमी और व्यास 5- 5.5 सेमी और 5-6 निरंतर संकीर्ण लकीरें होती हैं। फल का औसत भार 65-70 ग्राम होता है। पहली फल तुड़ाई 44-48 दिन
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> टी. के. बेहेरा, गोगराज सिंह जाट, ए. डी. मुंशी एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	• ग्रीष्म
औसत उपज (पत्तियां)	• 24.5 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 28.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 44-48 दिन में
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • उच्च मादा : नर फूल अनुपात (2: 1) • फल गहरे हरे रंग के होते हैं जिनकी औसत लंबाई 15.5 सेमी और व्यास 6.0-6.5 से.मी. होता है, जिसमें 5-6 असंततः संकीर्ण लकीरें होती हैं। • फल का औसत भार 70 ग्राम।
प्रजनक	• टी. के. बेहेरा, गोगराज सिंह जाट, ए. डी. मुंशी एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 4917 (E), 13-11-2024
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पौधे का चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> सर्दी (पॉलीहाउस के अंतर्गत); खरीफ़ (कीट अवरोधी नेटहाउस/पॉलीहाउस); वसंत-ग्रीष्म (कीट अवरोधी जाल घर/पॉलीहाउस और मचान प्रणाली से खुले खेत में लगाने के लिए उपयुक्त)
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 4.97 क्विं./100 मी² पॉलीहाउस क्षेत्र में
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 5.20 क्विं./100 मी² पॉलीहाउस क्षेत्र में
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुआई के 50-55 दिनों में
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उच्च मादा: नर पुष्प अनुपात (1:1) फल आकर्षक हरे, एकसमान, चमकदार, बेलनाकार, सीधे और चिकनी सतह वाले होते हैं। पॉलीहाउस और कीट अवरोधी नेट हाउस दोनों स्थितियों में बुआई के 50-55 दिनों में फल पहली तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं फल की औसत लंबाई 16-18 सेमी और व्यास 5.0-6.0 सेमी होता है फल का औसत भार 135 ग्राम होता है
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> गोगराज सिंह जाट, टी. के. बेहेरा, ए. डी. मुंशी, हर्षवर्द्धन चौधरी, बी. एस. तोमर एवं अविनि कुमार सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म और खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> बसंत ग्रीष्म में 26 टन/ हेक्टर और खरीफ में 28 टन/ हेक्टर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 32 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 55-60 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल आकर्षक हरे, सामान्य चिकने, नाशपाती के आकार के होते हैं। फलों की औसत लंबाई 18-19 सेमी., व्यास 12 सेमी. फल कम तापमान (10-12° C) और उच्च तापमान (35-40°C) पर भी लगते हैं। औसत फल भार 0.8 से 1.0 किग्रा. होता है। परिपक्वता 55-60 दिन में। यह उत्तरी मैदानी इलाकों में शरद ऋतु के मौसम में खेती के लिए भी उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पी. एस. सिरोही, टी. के. बेहेरा, इकबाल सिंह एवं आनंद पाल



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 19 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 25 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 45-50 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल आकर्षक, एक समान, हरा, लम्बा और बेलनाकार, चिकनी बनावट और मोटी त्वचा के साथ फल के तने के सिरे और फूल के सिरे का आकार गोल होता है फलों की लम्बाई औसत 27 सेमी. और परिधि 13 सेमी. होती है फलों का औसत भार 120 ग्राम होता है
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, टी. के. बेहरा, ए. के. सुरेजा, अश्विनी कुमार, बी. एस. तोमर एवं जोगेंद्र सिंह



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 642 (E), 31-05-2004
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• ग्रीष्म एवं वर्षा
औसत उपज (फल)	• 12 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 15 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुवाई से 45-50 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • फल मध्यम लंबे, चिकने, लगभग सीधे और गहरे हरे रंग के होते हैं जिनमें काली हरी संकरी धारियां होती हैं, कोमल गूदा और कठोर त्वचा होती हैं जो लंबी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त होती हैं • फलों की औसत लंबाई 20-25 सेमी होती है
प्रजनक	• वी. के. वर्मा, ए. डी. मुंशी एवं आर. आर. शर्मा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 17.8 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 22.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 45-50 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> टमाटर का नई डेल्टी पत्ती झुलसा विषाणु के लिए अत्यधिक प्रतिरोधी फल आकर्षक, समान, गहरे हरे, 22-24 सेमी लंबे औसत फलों का भार 105-110 ग्राम मोटी त्वचा, चिकनी बनावट और सफेद गूदा
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, जोगेंद्र सिंह, एस. एस. डे, टी. के. बेहेरा, ए. के. सुरेजा, बी. एस. तोमर, अमलेंदु घोष एवं वी. के. पंडिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म और खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 17 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 20 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ में 45-50 दिन और बसंत ग्रीष्म में 55-60 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल लंबे (25-30 सेमी), सीधे, आर्कषक हरे रंग के कोमल गुदे वाले होते हैं। फलों का औसत भार 105 ग्राम।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, आर. आर. शर्मा, रविंदर कुमार, बी. एस. तोमर, के. के. गंगोपाध्याय एवं गुंजीत कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस ओ. 3254 (E) 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारतीय मैदानी में वसंत-ग्रीष्म ऋतु (फरवरी-मार्च में बुवाई) और खरीफ ऋतु (जून-जुलाई में बुवाई)
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 15.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 18.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 42-48 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पहली तुड़ाई क्रमशः वसंत-ग्रीष्म और खरीफ मौसम के दौरान बुआई के 48-50 दिनों और 42-45 दिनों में। फल: अण्डाकार लम्बाई, 9-10 सेमी, गहरे हरे रंग के फल की चमक और खाने योग्य परिपक्वता अवस्था में फल का मुलायम गुदा। फलों की संख्या 5 से 6 और फलों का औसत भार 20-22 ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, ए. के. सुरेजा, टी. के. बेहेरा, जोगेंद्र सिंह, बी. एस. तोमर, एस. एस. डे एवं मंजुषा वर्मा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 1979 (E), 12-08-2010
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म और खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> बसंत ग्रीष्म ऋतु में 40 टन/ हेक्टर और खरीफ में 45 टन/ हेक्टर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 48 टन/हेक्टर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 140 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल बेलनाकार व छिलका हरा होता है फलों की औसत लम्बाई 23 सेमी और परिधि 55 सेमी होते हैं परिपक्व फलों में छोटे बालों का घना गुच्छा होता है और यह एक सफेद मोम से ढका होता है फलों का औसत भार 7 किलो. होता है प्रति पौधे फलों की औसत संख्या 3.0 होती है
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पी. एस. सिरोही एवं टी. के. बेहेरा



विमोचन	• केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	• कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• खरीफ
औसत उपज (फल)	• 32 टन/ हेक्टर
अधिकतम उपज (फल)	• 40 टन/हेक्टर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुवाई से 100-140 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • मध्यम लंबी बेलें (औसत लंबाई 7.0 मीटर) • फल बेलनाकार होते हैं जिनमें हरे सफेद छिलके और सफेद गूदा होता है और औसत गूदे की मोटाई 6.40 सेमी होती है। • फलों का औसत भार 3.5 किग्रा होता है।
प्रजनक	• टी. के. बेहेरा, पी. एस. सिरोही एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 17-08-2015
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40 टन/ हेक्टर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 47 टन/हेक्टर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 115-120 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> बेलें मध्यम लंबी (औसत लंबाई 7.5 मी.) हरे सफेद छिलके और सफेद गूदे के साथ आयताकार दीर्घवृताकार फल फलों का औसत भार 10.0 किग्रा होता है प्रति पौधे फलों की औसत संख्या 4.60 है प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> टी. के. बेहेरा एवं पी. एस. सिरोही



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 22 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 25 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण से 80 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पत्तियों में कमजोर कटाक्ष तथा एंडोमोनोसियस लिंग अभिव्यक्ति इंठल के सिरे पर गहरे नुकीले फल व मध्यवर्ती पुस्वाग्र अंडाकार फल एवं औसत फल भार 700-800 ग्राम। फल के छिलके हल्के पीले हरी खांचयुक्त। फल का गूदा 3-4 सेमी. मोटा, हरा, रसीले व कुरकुरा हल्की मांसल गंध के साथ, उच्च मिठास (कुल ठोस विलय 12° ब्रिक्स) हल्की जाल सरंचना के साथ फल समूह में खांच, फल परिपक्वता पर बेल से अलग होने वाला।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> एच. चौधरी, श्रीधर, वी. के. पण्डिता एवं जोगेंद्र सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत ग्रीष्म (फरवरी से जून) नेट हाउस में (अगस्त-सितंबर से नवंबर-दिसंबर) नेट हाउस/ पोली हाउस में।
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 5.44 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 6 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण से 85-90 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारत के मैदानी भागों में कीट अवरोधी या पॉलीहाउस में संरक्षित खेती हेतु शारदा मेलन की किस्म। पत्तियों में उच्च कटाक्ष एवं एंडोमेनोसियस लिंग अभिव्यक्ति सुनहरे पीले फल, गोल व लम्बे, प्रत्येक फल का औसत भार 1 किग्रा. फल की सतह चिकनी व जाल संरचना अनुपस्थिति फल का गूदा मोटा, हरित सफेद, बहुत कुरकुरा व उच्च मिठास (कुल ठोस विलय लक्षण 13.6° ब्रिक्स) फलों की अधिक दिनों तक भंडारण क्षमता (15-20 दिन) उच्च अचल जीवन क्षमता (सेल्फ लाइफ)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> एच. चौधरी, श्रीधर, वी. के. पण्डिता एवं जोगेंद्र सिंह



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पदन चयन
ऋतु	• ग्रीष्मकालीन (मार्च से जून)
औसत उपज	• 22.73 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 25.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुवाई के 72 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • फ्यूजेरियम म्लानि के प्रति सहिष्णुता के साथ जल्दी पकने वाली किस्म। • पत्तियाँ कमजोर रूप से लोब वाली होती हैं और फूल एंड्रोमोनोक़्रियस लिंग अभिव्यक्ति वाले होते हैं • फल 750 ग्राम के औसत भार के साथ सपाट गोल। • बुवाई के 72 दिन बाद पहली तुड़ाई • हरे रंग के टांके के साथ छिलका का रंग हल्का भूरा। • मध्यम कस्टूरी स्वाद और उच्च मिठास (टीएसएस 12 डिग्री ब्रिक्स) के साथ गूदा गाढ़ा, हरा, रसदार और कुरकुरा होता है।
प्रजनक	• हर्षवर्धन चौधरी, श्रीधर, जोगेंद्र सिंह एवं वी. के. पंडिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> वंशावली विधि
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारतीय मैदानी क्षेत्रों में फरवरी से जून तक नेट हाउस में और अगस्त-सितंबर से नवंबर-दिसंबर तक नेट हाउस/पॉलीहाउस में
औसत उपज (पत्तियां)	<ul style="list-style-type: none"> 5.5 टन/1000 मी.
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 7.5 टन/1000 मी.
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 85 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल हल्का नारंगी रंग, आयताकार आकार, लम्बे समय तक रखने योग्य बुवाई के 84 दिन बाद तुड़ाई फलों का छिलका सुनहरे पीले रंग का होता है जिसमें टांके नहीं होते हैं। उच्च मिठास व बहुत कुरकुरा (टीएसएस 13.8° ब्रिक्स)। जाल की अनुपस्थिति एवं फलों की सतह चिकनी होती है। संरक्षित खेती की स्थिति के लिए उपयुक्त किस्म
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> हर्षवर्धन चौधरी, बी. एस. तोमर, आर. के. यादव एवं ए. के. सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 4917 (E), 13-11-2024
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> ग्रीष्म
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 22.73 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 24 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुआई के 70 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> जल्दी पकने वाली खरबूजे की किस्म फल चपटा गोल होता है जिसका औसत भार 800 ग्राम होता है फल का छिलका हल्का पीला होता है जिस पर हरे रंग की धारियाँ होती हैं फल का गूदा मोटा, हरा, रसदार और कुरकुरा होता है जिसमें मध्यम सुगंधित स्वाद और उच्च मिठास (टीएसएस 12° ब्रिक्स) होती है फ्यूजेरियम म्लानि के प्रति सहनशील है पत्तियाँ कमजोर लोब वाली होती हैं प्रवृत्ति उभयलिंगी होती है
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> हर्षवर्द्धन चौधरी, जोगेंद्र सिंह, बी. एस. तोमर, अतुल कुमार एवं एस. सी. राणा



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 642 (E), 31-05-2004
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• चयन
ऋतु	• ग्रीष्म व खरीफ
औसत उपज (फल)	• 35 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 38 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• रोपण उपरांत 40-50 दिन
विशेषताएं	• मध्यम आकार के लंबे फल, मलाईदार सफेद बाह्य छिलका, मोटा व हल्का गुलाबी गूदा • औसत फल भार 700 ग्राम
प्रजनक	• पी. एस. सिरोही, आनंद.पाल, टी. के. बेहरा एवं इकबाल सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत-ग्रीष्म ऋतु
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 26 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
बुवाई से प्रथम तुड़ाई	<ul style="list-style-type: none"> 45-55 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल थोड़े घुमावदार, मध्यम लम्बे (लंबाई 50 सेमी.) पतले (व्यास 2.4 सेमी.) हल्के हरे, चिकनी गैर प्रमुख लकीरें, कोमल त्वचा के साथ चमकदार, कुरकुरे और कड़वाहट से मुक्त फल होते हैं विपणन अवस्था में फलों का औसत भार 130-145 ग्राम बीज हल्के भूरे रंग के होते हैं
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. के. सुरेजा, ए. डी. मुंशी एवं अश्विनी कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत ग्रीष्म ऋतु
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 7 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 8 टन/हेक्टेयर
बुवाई से प्रथम तुड़ाई	<ul style="list-style-type: none"> 55-60 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> विपणन अवस्था में फल आकर्षक हरे, चमकदार, एक समान, चपटे गोल, 5 सेमी. व्यास के होते हैं प्रति बेल 8-10 फल लगते हैं प्रत्येक फल मध्यम आकार के होते हैं और विपणन अवस्था में भार 60 ग्राम होता है गूदा सफेद, कोमल, कम बीज वाला और अच्छी गुणवत्ता वाला होता है बीज काले रंग के जिनके किनारे उभरे हुए होते हैं
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. के. सुरेजा, ए. डी. मुंशी एवं वी. के. पंडिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत गर्मियों में खुली अवस्था में और गैर मौसम सर्दियों की खेती संरक्षित परिस्थितियों में की जाती हैं।
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 16, 24 और 22 टन/ हेक्टर खुले मैदान की स्थिति में, पॉलीहाउस में और सर्दियों के मौसम में प्लास्टिक लो टनल में
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 19, 27 और 25 टन/ हेक्टर खुले मैदान की स्थिति में, पॉलीहाउस में और सर्दियों के मौसम में प्लास्टिक लो टनल में
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई से 45-50 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल आकर्षक, हल्के हरे, चमकदार, एक समान, चपटे गोल, 70-80 ग्राम कोमल गूदे वाले होते हैं। कम से कम टूट फूट के साथ फलों को चुनना आसान होता है लगातार और केंद्रित फल लगना। उच्च तापमान की स्थिति में भी फल लगना और बीज उत्पादन संभव
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. डी. मुंशी, ए. के. सुरेजा, बलराज सिंह एवं अवनी कुमार सिंह



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• उत्तर भारतीय मैदानों में सर्दियों के मौसम (ऑफ-सीजन) प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस में (मध्य अक्टूबर - मध्य फरवरी) और वसंतग्रीष्म मौसम कीट अवरोधी नेटहाउस में (फरवरी - अप्रैल)
औसत उपज (पत्तियां)	• 21.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 24.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुवाई के 45-50 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • अधिक उपज देने वाली चपटी, गोल आकार की, बड़ी फल वाली किस्म (370-420 ग्राम)। • उत्तर भारतीय मैदानों में प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस (मध्य अक्टूबर - मध्य फरवरी) और कीट अवरोधी नेट हाउस (फरवरी-अप्रैल) के तहत एवं वसंत गर्मियों के मौसम (ऑफ-सीजन) के लिए। • सर्दियों के मौसम (मध्य दिसंबर - मध्य मार्च) और शुरुआती वसंत गर्मियों के मौसम (अप्रैल-जून) में बुवाई के 45-50 दिनों में पहली कटाई हेतु तैयार • फल चपटे, गोल, 370-420 ग्राम, हरे रंग की त्वचा धब्बेदार, कमजोर शिरायें
प्रजनक	• ए. डी. मुंशी, ए. के सुरेजा, बी. एस. तोमर एवं एस. एस. डे



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> बिहार, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> आवर्ती प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> अगेती परिपक्वता समूह
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 18 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 20-25 टन/हेक्टेयर
प्रथम कटाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 75 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारत में जून के शुरुआती सप्ताह में बुवाई के लिए उपयुक्त एवं अक्टूबर में कटाई हेतु तैयार। फूल बनने व वृद्धि के लिए 22-27° सेल्सियस तापमान की जरूरत। सफेद, सख्त फूल, जिनका शुद्ध भार 500-600 ग्राम अधिक तापमान, आर्द्रता, काला सड़न रोग के प्रति सहनशीलता
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया, एस. आर. शर्मा एवं श्रवण सिंह



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• आवर्ती प्रजनन
ऋतु	• अगेती परिपक्वता समूह
औसत उपज (फल)	• 25 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• रोपण उपरांत 75 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • जून में अगेती बुवाई व अक्टूबर में कटाई हेतु उत्तर भारत के लिए उपयुक्त • मध्यम आकार की हरी पत्तियां • फूल बनने व बढ़वार हेतु 22-27 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवश्यकता • काला सड़न रोग, उच्च तापमान व आर्द्रता के लिए सहनशीलता
प्रजनक	• प्रीतम कालिया, एस. आर. शर्मा एवं श्रवण सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 642 (E), 31-05-2004
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> सरल आवर्ती चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> अगेती (सितंबर में कटाई)
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 24 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 80-90 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारत में जून में अगेती बुवाई हेतु तैयार व फूल सितम्बर में कटाई हेतु तैयार मध्यम आकार की खुली एवं हरी पत्तियां फूल बनने व बढ़वार हेतु उचित तापमान 22-27 डिग्री सेल्सियस सफेद सख्त फूल और शुद्ध भार 350-400 ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> एस. आर. शर्मा एवं राम सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 642 (E), 31-05-2004
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> सरल आवर्ती चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> मध्य अगेती (नवम्बर, परिपक्वता समूह)
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 24 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 80-90 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> मध्य अगेती (जुलाई अंतिम या अगस्त शुरूआत सप्ताह में) बुवाई हेतु एवं मध्य सितम्बर- नवंबर में कटाई हेतु तैयार, हरी नीली पत्तियां फूल बनने व बढ़वार हेतु 15-20 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवश्यकता फूल एकदम सफेद व बहुत सख्त फूल का शुद्ध भार 850-1000 ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> एस. आर. शर्मा, राम सिंह एवं एच. एस. गिल



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 161 (E), 04-02-2004
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> वंशावली चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 25 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 195-210 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> हल्के हरी पत्तियां, फूल सफेद व नुकीले शुरुआती अवस्था में बाह्य पत्तियां फूल को आच्छादित करती हैं पछेती किस्म, उत्तर भारत में अक्टूबर नवंबर में रोपाई हेतु उपयुक्त काला सड़न व हीरक पृष्ठ पतंगा के प्रति प्रक्षेत्र प्रतिरोधिता
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पी. सी. ठाकुर, एच. एस. गिल, के. एस. कपूर, एस. आर. शर्मा एवं वीरपाल सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ.-692 (ई), 05.02.2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> शरद ऋतु
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 55 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 65 टन/हेक्टेयर
प्रथम कटाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपाई के बाद 100-110 दिनों में तैयार होती है।
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> औसत भार 1.52 किलोग्राम है। इस संकर किस्म की खासियत यह है कि यह बर्फ़ की तरह सफ़ेद फूल बनाती है। धूप में कुछ दिनों तक रहने के बाद भी फूल का रंग बरकरार रखती है। फूल बहुत सघन होता है और पकने के कुछ दिनों बाद भी ऐसा ही रहता है। काला सड़न रोग के प्रति सहनशील है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> एस. एस. डे, एस. आर. शर्मा, चन्द्र प्रकाश, रीता भाटिया, अमीश के. सुरेजा एवं प्रीतम कालिया



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई से अगस्त में बुआई और कटाई के लिए उपयुक्त
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 37-39 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 42 टन/हेक्टेयर
प्रथम कटाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण के 80-85 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> मध्यम आकार के खुले हरे पत्ते सघन व सफेद फूल सितंबर के पहले पखवाड़े में बुआई के लिए उपयुक्त अक्तूबर माह के प्रथम पखवाड़े में रोपाई हेतु उपयुक्त मध्य पर्वतीय क्षेत्र में अक्तूबर से दिसंबर महीने में कटाई फूल लगने के लिए उपयुक्त तापमान 12-16 डिग्री सेल्सियस। औसत विपणन योग्य फूल का भार 1150-1250 ग्राम
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया, श्रवण सिंह, ए. के. सुरेजा, बी. बी. शर्मा एवं वी. के. पंडिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उप-आर्द्र सतलज-गंगा जलोढ़ मैदान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> अगेती (बुवाई जून जुलाई में)
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 18 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 21 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण के 65-70 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> अर्ध-खड़े पौधे, हरे पत्ते और सघन सफेद फूल। जून-जुलाई महीनों में बुआई और मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर की अवधि में कटाई के लिए उपयुक्त। फूल लगने के लिए उपयुक्त तापमान 20-27 डिग्री सेल्सियस। औसत विपणन योग्य फूल का भार 600-650 ग्राम और विपणन योग्य फूल की उपज 18.0-19.0 टन/हेक्टेयर है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया, श्रवण सिंह, ए. के. सुरेजा, बी. बी. शर्मा, पार्था साहा एवं स्वाती साहा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 1362 (E), 12-03-2024
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> जून-जुलाई
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 26.4 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 28.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपाई से 75-80 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे कॉम्पैक्ट और अर्ध-वृद्धि के साथ मध्यम आकार के होते हैं। पत्तियां नीली हरी और प्रमुख वेंस और पकरिंग के साथ होती हैं। सफेद रंग के साथ कॉम्पैक्ट, चिकने फूल। उत्तर भारतीय मैदानी परिस्थितियों में जून-जुलाई के दौरान बुवाई और जुलाई-अगस्त महीने के दौरान रोपाई के लिए उपयुक्त। उपयुक्त तापमान 20-27 डिग्री सेल्सियस होता है। विपणन योग्य फूल का औसत भार 600-650 ग्राम मृदुरोमिल आसिता डाउनी और काल सड़न के लिए मध्यम प्रतिरोधी
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> श्रवण सिंह, प्रीतम कालिया, बृजबिहारी शर्मा, ए. के. सुरेजा, पार्थ साहा, स्वाति साहा एवं मनीषा मंगल



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3254 (ई), 20.07.2022
अनुकूलन का क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एन.सी.आर.)
प्रजनन विधि	• संकरण
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 48 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 50 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद 100-110 दिनों में तैयार होती है
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • औसत भार 1.41 किलोग्राम है। पूसा स्नोबॉल हाइब्रिड-1 की तुलना में इसकी उपज 5-12% अधिक है। • फूल का रंग आकर्षक बर्फ जैसा सफेद होता है और कुछ दिनों तक धूप में रहने के बाद भी यह रंग बरकरार रहता है।
प्रजनक	• श्याम सुंदर डे, रीता भाटिया, चन्द्र प्रकाश, राज कुमार, संदीप कुमार, अचिंत्य प्रमाणिक एवं श्रवण सिंह



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 1480 (ई), 01.04.2021
अनुकूलन का क्षेत्र	• जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली
प्रजनन विधि	• संकरण
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 39.5 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 40.5 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद 85-90 दिनों में तैयार होती है
मुख्य विशेषताएं	• इसका फूल ठोस व सफेद होता है जिसका औसत भार 1.04 किलोग्राम है। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। काला सड़न रोग के प्रति सहनशील है।
प्रजनक	• श्याम सुंदर डे, रीता भाटिया, चन्द्र प्रकाश, संदीप कुमार, राज कुमार एवं अचिंत्य प्रमाणिक



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 1362 (ई), 12.03.2024
अनुकूलन का क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• संकरण
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 28.5 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 30.0 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद 85-90 दिनों में तैयार होती है
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • औसत भार 0.76 किलोग्राम है। • यह एक जैव-फोर्टिफाइड किस्म है जिसके खाद्य भाग में 43.70 मिलीग्राम/100 ग्राम एंथोसायनिन होता है।
प्रजनक	• श्याम सुंदर डे, रीता भाटिया, चन्द्र प्रकाश, राज कुमार एवं संदीप कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 1362 (E), 12-03-2024
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> आवर्ती चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बुआई अगस्त से सितंबर और रोपाई सितंबर से अक्टूबर में। सिंचित खेती के लिए उपयुक्त
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 21.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 21.8 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 75-85 दिन रोपाई के बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह दिल्ली की जलवायु में मध्य अगस्त से मध्य अक्टूबर के दौरान बुवाई और बुवाई के 30 दिनों के बाद रोपाई के लिए उपयुक्त। रोपाई के बाद 75-85 दिनों में कटाई व विपणन योग्य। एंथोसायनिन (30 मिलीग्राम / 100 ग्राम फल भार) में समृद्ध, जो स्वास्थ्य के लिए एक मजबूत प्रति ऑक्सीकारक हैं। औसत पौधे की ऊंचाई 52.5 सेमी और फैलाव 48.3 सेमी होता है। फूल का औसत भार 570 ग्राम पहली एंथोसायनिन समृद्ध छोटी अवधि की बैंगनी फूल की ब्रोकोली की किस्म दिल्ली में रबी मौसम में और इसी तरह की जलवायु परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया, श्रवण सिंह एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 2363 (ई), 04.10.2012
अनुकूलन का क्षेत्र	• जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड
प्रजनन विधि	• संकरण
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 58 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 60 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद 55-60 दिनों में तैयार होती है
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • इसका शीर्ष गोल, सघन, हरा तथा ढका हुआ होता है तथा पत्तियां मध्यम मोमी, हरी, दाँतेदार तथा लहरदार होती हैं। • शीर्ष बनने के पश्चात् लंबे समय तक खेत में रहने की क्षमता रखती है। • इसमें काली सड़न रोग के प्रति प्रतिरोधक क्षमता है।
प्रजनक	• चन्द्र प्रकाश, टी. एस. वर्मा, के. एस. कपूर, पी. आर. कुमार एवं एस. जोशी



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 692 (ई), 05.02.2019
अनुकूलन का क्षेत्र	• जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड
प्रजनन विधि	• संकरण
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 43 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 45.5 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• 60-65 दिन में तैयार होती है
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • गहरे हरे रंग की 12-14 मोमी पत्तियां होती हैं, पौधे की ऊंचाई 22-25 से. मी. होती है, शीर्ष गोल आकार का, बहुत सघन और बाहरी पत्तियों से ढका होता है। • बंद बनने के पश्चात् 25-30 दिनों तक खेत में टिकी रहती है और यह काली सड़न रोग के प्रति सहनशील होती है।
प्रजनक	• चन्द्र प्रकाश, आर. एन. बरवाल, पी. कालिया, एस. एस. डे, रीता भाटिया एवं संदीप कुमार



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. -3254 (ई), 20.07.2022
अनुकूलन का क्षेत्र	• जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली
प्रजनन विधि	• संकरण
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 40 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 42 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद 60-65 दिनों में तैयार होती है
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • गहरे हरे रंग की 11-14 मोमी पत्तियां होती हैं, पौधे की ऊंचाई 19-22 से. मी. होती है। • शीर्ष का आकार चपटा होता है, बहुत सघन और बाहरी पत्ती से ढका होता है। • बंद बनने के बाद इसकी खेत में रहने की क्षमता 25-30 दिन है। • काला सड़न रोग के प्रति सहनशील है।
प्रजनक	• चन्द्र प्रकाश, संदीप कुमार, एस.एस. डे, रीता भाटिया, अचिंत्य प्रमाणिक, राज कुमार एवं अमीश के. सुरेजा



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3254 (ई), 20.07.2022
अनुकूलन का क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एन.सी.आर.)
प्रजनन विधि	• संकरण
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 43 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 45 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद 70-75 दिनों में तैयार होती है
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • बंद बनने के पश्चात् 25-30 दिन खेत में टिकी रहती है। • शीर्ष का औसत भार 1.10 किलो. • एंथोसायनिन से भरपूर (7.94 मिलीग्राम/ 100 ग्राम) होती है। • काला सड़न रोग के प्रति आंशिक रूप से प्रतिरोधी तथा हीरक पृष्ठ कीट और गोभी एफिड के प्रति सहनशील होती है।
प्रजनक	• चन्द्र प्रकाश, संदीप कुमार, श्याम सुंदर डे, रीता भाटिया, राज कुमार, अचिंत्य प्रमाणिक, श्रवण सिंह एवं धरमिंदर कुमार



विमोचन	• हिमाचल प्रदेश राज्य बीज उप समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. -2277 (ई)., 17.08.2015
अनुकूलन का क्षेत्र	• हिमाचल प्रदेश
प्रजनन विधि	• चयन
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 23.2 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 25.0 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद 55-60 दिनों में तैयार होती है।
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • गांठ का औसत भार लगभग 800 ग्राम होता है। बड़े आकर की गांठ और परिपक्वता पर रेशे का विकास बहुत कम या बिलकुल नहीं होता है। • गांठ और पत्तियाँ दोनों ही खाने योग्य हैं। • यह उच्च पाले और ठंड की स्थिति को झेल सकता है। • पहाड़ी क्षेत्रों में अप्रैल से अक्तूबर और उत्तर भारतीय मैदानी इलाकों में अक्तूबर से दिसंबर के दौरान बीज बोया जा सकता है।
प्रजनक	• चन्द्र प्रकाश एवं टी. एस. वर्मा



विमोचन	• केंद्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. -692 (ई), 05.02.2019
अनुकूलन का क्षेत्र	• जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड
प्रजनन विधि	• चयन
ऋतु	• शरद ऋतु
औसत उपज	• 34 टन/हेक्टेयर
संभावित उपज	• 35 टन/हेक्टेयर
बुआई से प्रथम तुड़ाई	• रोपाई के बाद दिनों में तैयार होती है।
मुख्य विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • पते अत्यधिक दांतदार और बैंगनी होते हैं, जिनकी लंबाई 40-50 से.मी. और चौड़ाई 15-20 से.मी. होती है • पौधे की ऊँचाई 50-60 से.मी. होती है। • ठंड और पाले के प्रति सहनशील होते हैं।
प्रजनक	• चन्द्र प्रकाश, सुबोध जोशी एवं एस.एस. डे



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> स्वनिषेचन व समूहन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 35 टन/हेक्टेयर
प्रथम खुदाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 90 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> जड़े लम्बी, आकर्षक, लाल, अंतः रंग लाल, रसदार, मीठा स्वाद सलाद, जूस निकालने, कैंडी, आचार व सब्जी बनाने के लिए उपयुक्त कुल कैरोटिनॉइड (7.6 मिग्रा./100 ग्राम) वीटा कैरोटीन/(4.9 मिग्रा. /100 ग्राम), लाइकोपीन (6.7 मिग्रा./100 ग्राम)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• स्व-निषेचन व समूहन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फल)	• 25 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम खुदाई (दिन)	• रोपण उपरांत 100-110 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • जड़े तिरछी, आकर्षक, गहरे बैंगनी रंग की, स्वरंगीन कोर, रसदार और स्वाद में मीठी होती हैं। • स्वास्थ्य पेय (कांजी) बनाने के लिए, स्वाद व रंग निष्कर्षण के लिए उपयुक्त • जड़ों में एंथोसायनीन की मात्रा 500 मिग्रा. /100 ग्राम ताजा भात
प्रजनक	• प्रीतम कालिया



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 35 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40 टन/हेक्टेयर
प्रथम खुदाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 80-90 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उष्ण वातावरण में उगाने हेतु गाजर की संकर किस्म तिरछे लंबे लाल रंग की जड़े जिनमें मध्य भाग स्व: रंग, रसदार एवं स्वादिष्ट होता है। जड़ों की औसत लंबाई 22-25 सेमी., जड़ों का व्यास 4-4.5 सेमी सलाद, रस निकालने, कैन्डी बनाने, आचार व सब्जी बनाने हेतु उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया, ए. के. सुरेजा, स्वाति साहा एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> स्व परागण तथा मासिंग
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> सामान्य मौसम (अक्तूबर में बुआई)
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 31.70 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 34.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम खुदाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 85-90 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> जल्दी पकने वाली किस्म सर्दी के मौसम में बुआई के 85-90 दिन बाद जड़ें खुदाई के लिए तैयार हो जाती हैं। जड़ें 20-22 सेमी लंबी, भार 100-120 ग्राम, संकीर्ण आयताकार, चपटे से गोल और नुकीले सिरे वाली होती है। बाहरी और आंतरिक रंग लाल होता है और स्वयं के रंग का लाल कोर, जड़ की सतह की जड़े मध्यम होती हैं। पोषक तत्व सामग्री: कुल कैरोटीनॉयड 6076 माइक्रो.ग्रा./100 ग्रा. और लाइकोपीन 1562.5 माइक्रो.ग्रा./100 ग्रा.
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया, ए. के. सुरेजा, स्वाती साहा, श्रवण सिंह एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• आवर्ती प्रजनन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फल)	• 35 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 40 टन/हेक्टेयर
प्रथम खुदाई (दिन)	• बिजाई उपरांत 50-55 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • हल्की हरी पत्तियां • सफेद बेलनाकार जड़े जिनकी औसत लम्बाई 15-18 सेमी., व्यास 5-6 सेमी. • खेत में जड़ों को बिना निकाले लम्बे समय तक रखा जा सकता है
प्रजनक	• प्रीतम कालिया, ए. के. सुरेजा एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• आवर्ती प्रजनन
ऋतु	• रबी : सामान्य मौसम
औसत उपज (फल)	• 35 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 40 टन/हेक्टेयर
प्रथम खुदाई (दिन)	• बिजाई उपरांत 50-55 दिन
विशेषताएं	• गुलाबी रंग का गूदा • जड़े मध्यम बेलनाकार • औसत जड़ों की लम्बाई 15-16 सेमी, जड़ व्यास 4 -5 सेमी
प्रजनक	• प्रीतम कालिया



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> आवर्ती प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 35 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40 टन/हेक्टेयर
प्रथम खुदाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बिजाई उपरांत 50-55 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> हल्की हरी पत्तियां सफेद बेलनाकार जड़ें जिसकी औसत लंबाई 15-18 सेमी, व्यास 5-6 सेमी. खेत में जड़ों को बिना निकाले लम्बे समय तक रखा जा सकता है
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> प्रीतम कालिया



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> वंशावली विधि
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> बसंत/ वर्षा
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 18 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 20 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण से 40-45 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> भिंडी पीत शिरा मोजे विषाणु के लिए प्रतिरोधी शाखित (2-3 शाखा) सीधे पौधे जिनका हरित तना व डंठल होता है। मध्यम शाखित पत्तियां फल आकर्षक गहरे हरे रंग के जिनमें 5 धारियां, चिकनी सतह, मध्यम लंबाई (10-12 सेमी)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> आर. के. यादव, बी. एस. तोमर, राज कुमार, वी. के. बरनवाल, वी. के. पण्डिता एवं प्रीतम कालिया



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> ओजस्वी प्रजनन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> वसंत -ग्रीष्म तथा खरीफ
औसत उपज	<ul style="list-style-type: none"> 26 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 38-42 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> आकर्षक, गहरे हरे और कोमल फल होते हैं। यह पीला शिरा मोजेक वायरस (वाईवीएमवी) और एनेशन पत्ती झुलसा वायरस के प्रति प्रतिरोधी है डंठल सहित पूरा पौधा हरा तथा पत्तियाँ मध्यम लोब वाली होती हैं। खरीफ के साथ-साथ वसंत ग्रीष्म ऋतु में भी खेती के लिए उपयुक्त।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> आर. के. यादव, बी. एस. तोमर, वी. के. बरनवाल, सुमन लता, भाग्यश्री एवं एस. सी. राणा



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 1362 (E), 12-03-2024
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• वंशावली विधि
ऋतु	• वसंत ग्रीष्म ऋतु
औसत उपज (फल)	• 15.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 17.5 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुआई के 45 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • फल लाल बैंगनी रंग के होते हैं। • भिन्डी का पीला सिरा मौजेक विषाणु एवं एनेशन पत्ती झुलसा विषाणु और ईएलसीवी रोगों के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। • तने और डंठल सहित सभी पौधे के हिस्से लाल बैंगनी रंग के होते हैं। • छोटे अंतरगांठ पर 15 टन/हेक्टेयर उपज देता है। • एंथोसायनिन (130 माइक्रो.ग्रा./ग्रा.) और प्रति ऑक्सीकारक (357 माइक्रो.ग्रा./ग्रा. जीएई) से भरपूर है।
प्रजनक	• आर. के. यादव, सुमन लता, हर्षवर्धन चौधरी एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E), 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> वंशावली विधि
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> अगेती बुवाई (प्रथम सप्ताह अक्टूबर) सामान्य बुवाई (नवम्बर माह)
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 4.5 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 5.5 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण से 50-55 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> अगेती परिपक्व किस्म, फ्यूजेरियम (उक्टा) रोग हेतु प्रतिरोधी किस्म उच्च तापमान हेतु सहनशीलता (उत्तर भारतीयों मैदानों में) निचले पर्वतीय इलाकों में अगेती बुवाई हेतु अक्टूबर उपयुक्त हरी रंग की फलियां 5-6 दाने/फली
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> श्रीधर, एच. चौधरी, आर. आर. शर्मा, एस. सी. दुबे, वी. के. पण्डिता एवं बी. एस. तोमर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल बीज वंश और थोक विधि
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> समान्य व देरी से बुवाई हेतु उपयुक्त
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 10 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 13 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण से 80-85 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> मध्यम परिपक्वता किस्म चूर्णिल असिता व उकटा रोग रोधी हरी रंग की लंबी फलियां जिसमें 7-9 दाने प्रति फली होते हैं। छिलकान प्रतिशतता (52%)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> श्रीधर, एच. चौधरी, आर. आर. शर्मा, एस. सी. दुबे एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 4272 (E), 26-11-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> शुद्ध वंशक्रम चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> वर्षा एवं बसंत ग्रीष्म मौसम में सिंचित व गैर सिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 16.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> बुवाई के 45-50 दिन उपरांत व वर्षा ऋतु में बुवाई के 50-60 दिन बाद क्रमशः तुड़ाई हेतु तैयार
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> जल्दी पकने वाली बौनी किस्म सुनहरे मौजेक विषाणु हेतु प्रक्षेत्र प्रतिरोधिता हल्की हरे रंग की फलियां, चिकनी, मुलायम, बेलदार, तंतुरहित, 20-25 सेमी लंबाई 12-18 बीज/फली द्विरंगीय बीज जिसमें आधा मलाईदार सफेद व शेष आधा गहरा भूरा जो सफेद नाभिका को घेरे रहता है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> श्रीधर, एच. चौधरी, आर. आर. शर्मा, एस. सी. दुबे एवं वी. के. पण्डिता



विमोचन	• केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 4272 (E), 26-11-2019
अनुमोदित क्षेत्र	• मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र
प्रजनन विधि	• शुद्ध वंशक्रम चयन
ऋतु	• वर्षा एवं बसंत ग्रीष्म मौसम में सिंचित व गैर सिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त
औसत उपज (फल)	• 27.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 30.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• रोपण उपरांत 120-130 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • बेलदार सेम की किस्म • श्यामवर्ण, सकॉस्पोरा पर्ण धब्बा व बीन कॉमन मौजेक विषाणु रोगों के लिए क्षेत्र प्रतिरोधकता • फलियां हल्के हरे रंग, कोमल, चिकनी, समतल • तंतु रहित, खांच की तरह झुकी हुई • जल्दी पकने वाली बौनी किस्म • सुनहरे मौजेक विषाणु हेतु प्रक्षेत्र प्रतिरोधकता • हल्की हरे रंग की फलियां, चिकनी, मुलायम, बेलदार, तंतुरहित, 20-25 सेमी लंबाई (10-12 सेमी) फली की चौड़ाई (2-2.5 सेमी), 5-6 बीज/फली • 10 फलियों का भार 80-100 ग्राम • भूरे रंग के बीज सफेद नाभिका के साथ
प्रजनक	• श्रीधर, सुबोध जोशी, बी. एस. तोमर एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस ओ. 3254 (E) 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> ओडिशा, आंध्र प्रदेश छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> शुद्ध वंशावली विधि
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फली)	<ul style="list-style-type: none"> 14.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 15.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 120-130 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> एन्थेक्नोज, सर्कोस्पोरा पत्ती, स्पॉट और गोल्डन मोज़ेक वायरस रोग के प्रति प्रतिरोधी। फलियाँ बुआई के 120-130 दिनों में पहली तुड़ाई के लिए तैयार। अपरिपक्व फलियाँ बैंगनी लाल रंग की, मध्यम आकार की (10-11 सेमी लंबी) और चपटी (2.5-3 सेमी चौड़ी) होती हैं। चिकनी, मोटी/मांसल फली, 10 फलियों का भार 100 ग्राम, 4-5 बीज प्रति फली और 100 बीजों का भार 44 ग्राम होता है। बीज का रंग सफेद नाभिका के साथ काला भूरा होता है। बरसात के मौसम में सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त किस्म है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> श्रीधर, बी. एस. तोमर, दिनेश कुमार सिंह एवं एस. सी. राणा



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 1362 (E), 12-03-2024
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• शुद्ध वंशक्रम
ऋतु	• जून-जुलाई
औसत उपज (फल)	• 17.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 20.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 110-120 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • पौधे बेल वाले, जल्दी पकने वाली किस्म और बुवाई के 110-120 दिनों में पहली तुड़ाई के लिए तैयार। • फलियाँ बहुत आकर्षक, हरे गुलाबी से बैंगनी रंग की एवं फली चिकनी, सपाट, गैर-रेशेदार, थोड़ी घुमावदार होती है। • फली की लंबाई 9-10 सेमी, फली की चौड़ाई 1.8-2.0 सेमी और 10 फली का औसत भार 60-65 ग्राम और बीज का भार 32 ग्राम
प्रजनक	• श्रीधर, हर्षवर्द्धन चौधरी, बी. एस. तोमर, बृजबिहारी शर्मा एवं आर. के. यादव



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 3666 (E) 07-12-2016
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 18 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण उपरांत 130-140 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फलियां लंबी (15-17 सेमी), चपटी व हल्की हरी हरे ताजे बीज आकर्षक व स्वाद में अच्छे होते हैं दोहरी उपयोग हेतु कोमल फलियों वाली किस्म सब्जी में उपयोग तथा सूखे बीज दाल बनाकर खाए जाते हैं। उपज 20-25 फली/पौधा
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> सुबोध जोशी, सबीना इस्लाम, श्रीधर, वी. के. पण्डिता एवं एस. सी. राणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एस. ओ. 692 (E), 05-02-2019
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 35 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> रोपण से 60 दिन बाद
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> अधिक पादप वृद्धि, बहु कर्तित किस्म, पत्तियां गहरी हरे रंग की। पत्तियों की सतह चिकनी व किनारों पर कटी हुई पछेती पुष्पन कुल कैरोटिनाॉइड (90 मिग्रा./100 ग्राम) लोह तत्व (6.7 मिग्रा. /100ग्राम) सीधी रोपाई व बुवाई दोनों के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> आर. के. यादव, सुबोध जोशी, राज कुमार एवं बी. एस. तोमर



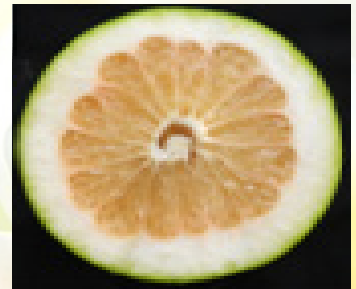
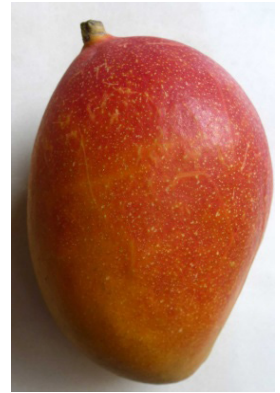
विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 642 (E), 31-05-2004
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• आवर्ती चयन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फल)	• 60 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 70 टन/हेक्टेयर
प्रथम कटाई (दिन)	• रोपण उपरांत 45 दिन
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • तेज बढ़वार व अच्छी जीर्णोद्धार युक्त के पादप • बड़ी चौड़ी हरी व चिकनी पत्तियां • इंठल हल्का हरा, लंबा, गूदेदार व गोल होता है • प्रति पौध पत्तियों की संख्या 35-45 • अगेती बुवाई में 2-3 कटाई की जा सकती है • पछेती पुष्पन (अंतिम जनवरी)
प्रजनक	• एस. आर. शर्मा एवं राम सिंह



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	• एस. ओ. 3254 (E), 20-07-2022
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
प्रजनन विधि	• वंशावली विधि
ऋतु	• शरद-शीत ऋतु में मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त
औसत उपज (पत्तियां)	• 12.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फल)	• 15.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• बुवाई के 45 दिन उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • कांटेदार बीज वाली किस्म है जिसमें मोटा रसीला तना और हरी पत्तियां होती हैं। • पत्तियां चिकनी, मुलायम होती हैं जिनमें थोड़ा दाँतेदार पार्श्व के साथ नुकीला शीर्ष होता है। • यह कम अवधि की फसल है जो दो बार कटाई के लिए उपयुक्त है। • एस्कॉर्बिक अम्ल, लोहा और कैल्सियम की उच्च मात्रा मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में सर्दियों के मौसम के लिए उपयुक्त।
प्रजनक	• आर. के. यादव, सुबोध जोशी, बी. एस. तोमर एवं वी. के. पंडिता



फलों की उन्नतशील किस्में



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> • अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> • 1971
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> • उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> • संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> • 15-20 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> • जुलाई का अंतिम सप्ताह से अगस्त का प्रथम सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • नियमित रूप से फलन • फलों का औसतन भार लगभग 350-400 ग्राम • प्रसंस्करण और निर्यात के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> • डॉ. राम नाथ सिंह, डॉ. पी. के. मजुमदार, डॉ. डी. के. शर्मा एवं डॉ. एस. के. मुखर्जी



विमोचन	• अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना
अधिसूचना विवरण	• 1979
अनुमोदित क्षेत्र	• उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	• संकरण
औसत उपज (फल)	• 18-20 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	• जुलाई का अंतिम सप्ताह से अगस्त का प्रथम सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • पौधे बौने और नियमित रूप से फलन • फलों का भार औसतन 180-250 ग्राम • उच्च घनत्व बागवानी हेतु उपयुक्त किस्म
प्रजनक	• डॉ. राम नाथ सिंह, डॉ. पी. के. मजुमदार, डॉ. डी. के. शर्मा एवं डॉ. एस. के. मुखर्जी



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं प्रायद्वीपीय भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14-15 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई का अंतिम सप्ताह से अगस्त का प्रथम सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फलों का आकार मध्यम (250 ग्राम), आकर्षक लाल रंग का छिलका अच्छी भण्डारण क्षमता (10 से 12 दिन) के साथ एक अच्छा स्वाद घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. एस. एन. पाण्डेय, डॉ. पी. के. मजुमदार, डॉ. डी. के. शर्मा, श्री ओम प्रकाश सिंह, डॉ. रुम सिंह, डॉ. आर. आर. शर्मा एवं श्री एस. के. भगत



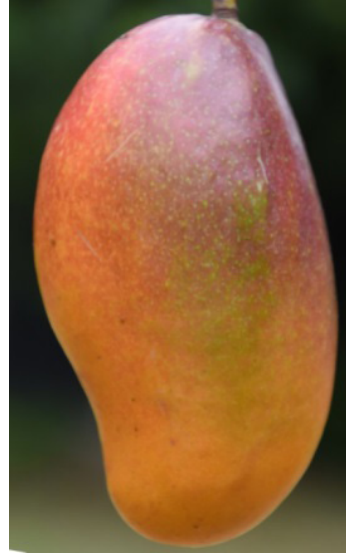
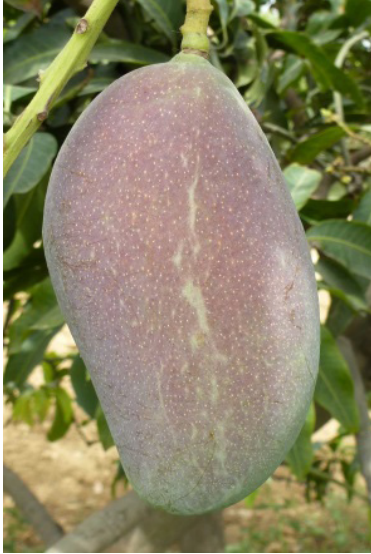
विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं प्रायद्वीपीय भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 15-16 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> मध्य जुलाई
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल मध्यम से बड़े आकार (270-300 ग्राम), आकर्षक खुबानी पीले छिलके के साथ गुलाबी ब्लाश विटामिन सी (42.6 मिलीग्राम/100 ग्राम गूदा) और बीटा-कैरोटीन सामग्री में समृद्ध घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. एस. एन. पाण्डेय, डॉ. पी. के. मजूमदार, डॉ. डी. के. शर्मा, श्री ओम प्रकाश सिंह, डॉ. रुम सिंह, डॉ. आर. आर. शर्मा एवं श्री एस. के. भगत



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG. D.L-E-08042021-226407
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं प्रायद्वीपीय भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14-15 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई का प्रथम पखवाड़ा
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> आकर्षक फल आकार, चमकदार लाल छिलका और नारंगी गूदे के साथ आयताकार, समान आकार के फल और अच्छी चीनी: अम्ल मिश्रण कमरे के तापमान पर अच्छी भण्डारण क्षमता (7 से 8 दिन)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. एस. एन. पाण्डेय, डॉ. रुम सिंह, श्री एस. के. भगत, डॉ. आर. आर. शर्मा, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव एवं श्री ओम प्रकाश सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG. D.L-E-08042021-226407
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर, पश्चिमी एवं दक्षिण भारत के मैदानी क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14-15 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई का प्रथम पखवाड़ा
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> लंबे फल, आकर्षक लाल छीलके के साथ, आकार (228 ग्राम) गूदा नारंगी, मध्यम चीनी: अम्ल मिश्रण, बीटा-कैरोटीन और एस्कोर्बिक अम्ल से भरपूर
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. एस. एन. पाण्डेय, डॉ. रुम सिंह, श्री एस. के. भगत, डॉ. आर. आर. शर्मा, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव एवं श्री ओम प्रकाश सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG. D.L-E-08042021-226407
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14-15 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई का प्रथम पखवाड़ा
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल पकने पर पीले रंग एवं एक समान आकार, अच्छी चीनी:अम्ल मिश्रण कमरे के तापमान पर भण्डारण क्षमता 5 से 6 दिन घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. एस. एन. पाण्डेय, डॉ. रुम सिंह, श्री एस. के. भगत, डॉ. आर. आर. शर्मा, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव एवं श्री ओम प्रकाश सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG. D.L-E-08042021-226407
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14-15 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जून का प्रथम पखवाड़ा
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> आकर्षक फल और पीले हरे रंग की पृष्ठभूमि पर चमकीले लाल छिलके वाले, नारंगी रंग के गूदे और अच्छी चीनी: अम्ल मिश्रण कमरे के तापमान पर भण्डारण क्षमता 5 से 6 दिन
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ पी. के. मजुमदार, डॉ. एस. एन. पाण्डेय, डॉ. रुम सिंह, डॉ. ए. के. सिंह, श्री एस. के. भगत, डॉ. आर. आर. शर्मा, डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव एवं श्री ओम प्रकाश सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14.0 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई-अगस्त
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उच्च गूदा (70%), मध्यम कुल घुलनशील ठोस (18.670 ब्रिक्स), और अच्छी एस्कोर्बिक अम्ल (35.34 मिली ग्राम/100 ग्राम गूदा) कमरे के तापमान पर अच्छी भण्डारण क्षमता (7 से 8 दिन)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. रुम सिंह, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. आर.आर. शर्मा, डॉ. ए.के. दुबे, श्री एस.के. भगत, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. कन्हैया सिंह, डॉ. जय प्रकाश, डॉ. ए. नागराजा, डॉ. निमिषा शर्मा एवं डॉ. श्रुति सेठी, श्री. ओम प्रकाश सिंह एवं श्री. राम बहादुर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373, 12/02/2021
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 16.0 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई- अगस्त
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल रेशा रहित, मध्यम कुल घुलनशील ठोस (20.380ब्रिक्स), एस्कॉर्बिक अम्ल (39.78 मिलीग्राम/100 ग्राम गूदा) और β-कैरोटीन (9,738 माइक्रो ग्राम प्रति 100 ग्राम गूदा) आम की गुम्मा ब्याधि रोग के प्रति सहनशीलता है और यह चूर्ण फफूंदी रोग के प्रति मध्यम सहिष्णु
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ पी. के. मजुमदार, डॉ. एस. एन. पाण्डेय, डॉ. रुम सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. आर.आर. शर्मा, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. आर.आर. शर्मा, डॉ. ए.के. दुबे, श्री एस.के. भगत, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. कन्हैया सिंह, डॉ. जय प्रकाश, डॉ. ए. नागराजा, डॉ. निमिषा शर्मा एवं डॉ. श्रुति सेठी, श्री. ओम प्रकाश सिंह एवं श्री. राम बहादुर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG. D.L-E-08042021-226407
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14-18 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> सितम्बर का द्वितीय सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे मध्यम रूप से ओजस्वी होते हैं और एक हेक्टेयर में लगभग 400 पौधे (5 मीटर x 5 मीटर) समायोजित मध्यम आकार के फल 268.68 ग्राम, उच्च रस (48.26%) और माध्यम अम्लता (0.92%) के साथ कुल घुलनशील ठोस पदार्थ (10.140)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. ओम प्रकाश अवस्थी, डॉ. एम. के. वर्मा एवं डॉ. चरण जीत कौर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 12-16 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> सितम्बर का द्वितीय सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे 5 मी. x 5 मी. की दूरी पर रोपण के लिए उपयुक्त, कंटीले एवं घने पत्तों वाले औसत फल भार 227.56 ग्राम, गोल, अधिक रस (50.12%), मध्यम मोटा छिलका, उच्च सकल घुलनशील ठोस पदार्थ (9.20 ॰ब्रिक्स) एवं मध्यम अम्लता (0.77%)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. ओम प्रकाश अवस्थी, डॉ. एम. के. वर्मा एवं डॉ. चरण जीत कौर



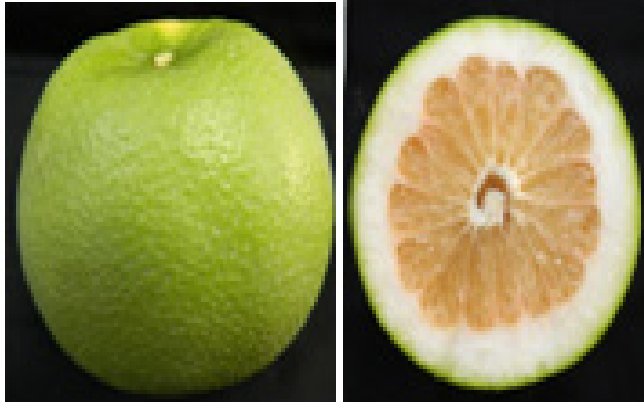
विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG. D.L-E-08042021-226407 7-04-2021
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 1200-1400 फल प्रति पौध
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> मार्च-अप्रैल और अगस्त-सितंबर
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> मध्यम ओजस्वी पेड़, घने पत्ते, और आकर्षक चमकदार पीले रंग के गोल फल उच्च रस (56.92%) और अम्लता (7.72%) के साथ मध्यम आकार के फल (38.15 ग्राम) व्यावसायिक खेती के साथ-साथ किचन गार्डन के लिए भी उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. राधा मोहन शर्मा, डॉ. ओम प्रकाश अवस्थी, डॉ. एम. के. वर्मा, डॉ. चरण जीत कौर एवं डॉ. दिनेश सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 1200-1400 फल प्रति पौध
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> मार्च-अप्रैल और अगस्त-सितंबर
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> घनी क्षत्रक, अधिक उपज, फल गोल आकार के, आकार में मध्यम (37.9 ग्राम), छिलका की मोटाई (1.1 मिमी), बीज (8.3 प्रति फल) पकने पर चमकीला पीला,अच्छा रस (43.3%) व सकल घुलनशील ठोस पदार्थ (8.5%) एवं अम्लता (6.9%)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. राधा मोहन शर्मा, डॉ. ओम प्रकाश अवस्थी, डॉ. चरण जीत कौर एवं डॉ दिनेश सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 18-20 टन /हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> सितम्बर
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> मध्यम फल आकार (496.95 ग्राम) एवं उच्च उपज (45.55 किलोग्राम/वृक्ष) उच्च रस (41.13%), मिठास अच्छी (9.20 ° ब्रिक्स) एवं कम अम्लता (0.39%)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. राधा मोहन शर्मा, डॉ. ओम प्रकाश अवस्थी, डॉ. अवतार सिंह एवं डॉ. चरण जीत कौर



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> 10(1)(2)/SI/TA/उप-समिति/2017-18/2332-2373
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 12-14 टन /हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जून से अगस्त एवं नवम्बर से जनवरी
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> मध्यम ओजस्वी पेड़, घने पत्ते, एवं आकर्षक चमकदार हरे पीले रंग के गोल फल उच्च रस (42.88%) और अम्लता (5.93%) के साथ मध्यम बड़े आकार के फल (67.42 ग्राम) तथा पतले छिलके व्यावसायिक खेती के साथ-साथ किचन गार्डन के लिए भी उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. ए. के. दुबे, डॉ. राधा मोहन शर्मा, डॉ. मनीष श्रीवास्तव एवं डॉ. ओम प्रकाश अवस्थी



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG-DL-E15032024-253059
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> भारत के उष्ण एवं उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों के लिए
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 36-41 किग्रा/पौधा
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> अक्तूबर से फरवरी
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> उभयलिंगी किस्म, सघन बागवानी (1.5 मी × 1.5 मी) के लिए उपयुक्त गूदे का रंग पीला व अधिक कुल घुलनशील ठोस पदार्थ (11.0° से 12.1° ब्रिक्स)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. जय प्रकाश, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. अमित कुमार गोस्वामी एवं डॉ. कन्हैया सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG-DL-E 15032024-253059
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 37-39 टन प्रति हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई-अगस्त एवं दिसम्बर-जनवरी
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल मध्यम आकार (220-240 ग्राम) एवं अधिक कुल घुलनशील ठोस पदार्थ (12.5°-13.0°ब्रिक्स) बीज कम एवं मुलायम, गुलाबी गूदे तथा अधिक विटामिन सी युक्त (160.0-180.0 मिलीग्राम प्रति 100 ग्राम गूदा) सघन बागवानी एवं प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. अमित कुमार गोस्वामी, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ. ए. नागराजा, डॉ. मधुबाला ठाकरे एवं डॉ. चवलेश कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG-DL-E 15032024-253059
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 40-43 टन प्रति हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जुलाई-अगस्त एवं दिसम्बर-जनवरी
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> फल मध्यम आकार (175-190 ग्राम) के हरे पीले रंग एवं अधिक कुल घुलन शील ठोस पदार्थ (12-13° ब्रिक्स) युक्त बीज कम एवं मुलायम तथा फल अधिक विटामिन सी युक्त (190.0-210.0 ग्राम प्रति 100 ग्राम गूदा)
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> अमित कुमार गोस्वामी, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ. ए. नागराजा, डॉ. मधुबाला ठाकुरे एवं डॉ. चवलेश कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> • संस्थान किस्म पहचान समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> • वर्ष 1970
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> • उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> • चयन
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> • 10-12 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> • जून का तीसरा सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • फल अधिक लम्बे, गुच्छे और दाने जिब्रेलिक अम्ल (45 पीपीएम) अनुप्रयोग के लिए अत्यधिक उत्तरदायी • फल में उच्च घुलनशील ठोस पदार्थ (22-24° ब्रिक्स), ताजा खाने और किशमिश दोनों के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> • जी. एस. रंधावा, जे. पी. सिंह, एस. के. मुखर्जी, एन. नाथ एवं आई. एस. यादव



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> वर्ष 1996
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं भारत में अंगूर उगाने वाले क्षेत्र
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 14-15 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जून का प्रथम सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> शीघ्र पकने वाली (फूल आने के 91 दिन बाद), मध्यम ओजस, आधारीय गाठों (4-6 गांठ) पर फलने वाली टिंट्यूटियर किस्म अच्छा सकल घुलन शील ठोस पदार्थ (18-20° ब्रिक्स), फल गोल एवं मध्यम आकार (1.89 ग्राम) रंगीन पेय और शराब बनाने के लिए उपयुक्त एवं एन्थ्रेकनोज रोग के प्रति प्रतिरोधी
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. पी.सी. जिंदल, श्री कश्मीर सिंह एवं डॉ. एस. एन. पाण्डेय



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG-DL-E-08042021-2264074
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 10-12 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जून का प्रथम सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> जल्दी पकने एवं आधारीय गाठों (4-6 गांठ) पर फलने वाली किस्म गुच्छे ढीले और मध्यम आकार के, बीज रहित, हरे-पीले रंग एवं सकल घुलनशील ठोस पदार्थ 20-22° ब्रिक्स ताजा खाने और किशमिश बनाने के लिए उपयुक्त एवं एन्थ्रक्नोज एवं चूर्णी फफूंद के प्रति सहनशील
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. पी.सी. जिंदल, श्री कश्मीर सिंह एवं डॉ. एस. एन. पाण्डेय



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG-DL-E-08042021-2264074
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 8-10 टन/हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> जून का पहला सप्ताह
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> बेल मध्यम ओजस, आधारीय गांठों (4-6 गांठ) पर फलने वाली किस्म जल्दी पकने वाली, बीज रहित, बड़े गोल फल (2.7 ग्राम), पीले-हरे रंग में, अच्छे सकल घुलनशील ठोस पदार्थ 19.3° ब्रिक्स एवं ठोस गूदा फल ताजा खाने व रस बनाने के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> स्वर्गीय डॉ. पी.सी. जिंदल, श्री कश्मीर सिंह, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. एम.के. वर्मा, डॉ. वी.बी. पटेल, डॉ. जय प्रकाश एवं डॉ. लक्ष्मण सिंह



PUSA ADITI

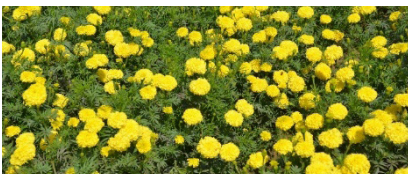
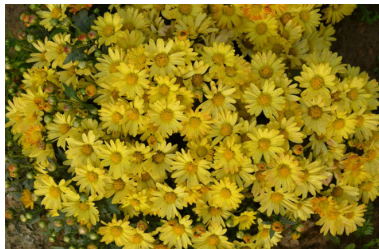
विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG-DL-E-04092025-265957
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 7-8 टन /हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> मई-जून
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> बड़े फल के साथ जल्दी पकने वाली किस्म ठोस गूदे वाली, सुनहरे, पीले रंग, एवं मीठे फल गुच्छे आकार में मध्यम बड़े, औसत गुच्छे का आकार मध्यम से बड़ा 409 ग्राम खाने, रस और मुन्नक्का बनाने के लिए उपयुक्त
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. पी.सी. जिंदल, श्री कश्मीर सिंह, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. एम.के. वर्मा, डॉ. वी.बी. पटेल, डॉ. जय प्रकाश, डॉ. लक्ष्मण सिंह, श्री सुरेंद्र पाल एवं डॉ. परिमल सिन्हा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> CG-DL-E-04092025-265957
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> उत्तर एवं मध्य भारत के मैदानी क्षेत्र एवं सम्पूर्ण भारत
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण
औसत उपज (फल)	<ul style="list-style-type: none"> 8-10 टन /हेक्टेयर
फल तुड़ाई का समय	<ul style="list-style-type: none"> मई-जून
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> अति शीघ्र पकने वाली किस्म (फूल आने के 75 से 80 दिन बाद), गुच्छे बैंगनी रंग के एवं मध्यम आकार, बीज रहित बेहतर सकल घुलनशील ठोस पदार्थ (>22° ब्रिक्स) तथा उत्कृष्ट सकल घुलनशील ठोस पदार्थ: अम्ल अनुपात यह ताजे फल खाने के लिये उपयुक्त किस्म
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. एच.सी. शर्मा, डॉ. एम.के. वर्मा, डॉ. वी.बी. पटेल, डॉ. जय प्रकाश, डॉ. चावलेश कुमार एवं डॉ. एस.पी. सिंह



फूलों की उन्नतशील किस्में



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2023
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 220-266 दिनांक 17/01/2023
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 40-50 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 50 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह किस्म गुलाब के हाइब्रिड टी समूह के अंतर्गत आती है। इसके पुष्प सुगठित एवं गहरे बैंगनी रंग के होते हैं। इसके पुष्प डबल होते हैं जिनमें औसत पंखुड़ी संख्या अधिक होती है। प्रति पौधे में एक बार में लगभग 15 पुष्प खिलते हैं। यह अत्यधिक पुष्पन तथा बार-बार फूल देने वाली किस्म है। यह किस्म टी बडिंग द्वारा प्रवर्धित की जाती है। यह बगीचे में उगाने तथा पुष्प सज्जा के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> मार्कण्डेय सिंह, नमिता, एम सी सिंह, प्रतिभा आनंद एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2023
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 220-266 दिनांक 17/01/2023
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 50-60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह किस्म गुलाब के फ्लोरीबंडा समूह के अंतर्गत आती है। इसमें मंद-मंद सुगंध वाले फूल होते हैं। इसके पुष्प अर्ध सुगठित एवं लाल बैंगनी रंग के होते हैं। यह सेमी हार्ड वूड कटिंग और बडिंग के द्वारा प्रवर्धित की जाती है। इसमें एक बार में लगभग 13 पुष्प प्रति पौधा खिलते हैं। यह अत्यधिक पुष्पन तथा बार-बार फूल देने वाली किस्म है। यह किस्म बगीचे में उगाने के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> मार्कण्डेय सिंह, नमिता, एम सी सिंह, प्रतिभा आनंद एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2021
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 2332-2373 दिनांक 12/02/2021
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 5.0-6.0 टन/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 6.0 टन/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह किस्म गुलाब के फ्लोरीबंडा समूह के अंतर्गत आती है। इसके पुष्प सुगठित, हल्के गुलाबी रंग के एवं अत्यधिक सुगंधित होते हैं। पुष्प बड़े और सेमी डबल होते हैं। यह अत्यधिक पुष्पन तथा बार-बार फूल देने वाली किस्म है। यह किस्म सीधे सेमी हाई वुड कटिंग द्वारा प्रवर्धित की जाती है। यह किस्म खुले पुष्पों के रूप में तथा माला बनाने के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> नमिता, मार्कण्डेय सिंह, डी. वी. एस. राजू एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2018
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 912-928 दिनांक 19/01/2018
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 55-60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह किस्म गुलाब के हाइब्रिड टी समूह के अंतर्गत आती है। इसके पुष्प गहरे गुलाबी रंग के एवं अत्यधिक सुगंधित होते हैं। यह अत्यधिक पुष्पन तथा बार-बार फूल देने वाली किस्म है। पुष्प बड़े आकार के एवं सेमी डबल होते हैं, जिनमें 22-23 पंखुड़ियाँ लगती हैं। यह बगीचे में लगाने एवं पुष्प सज्जा निर्माण के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> डी. वी. एस. राजू, कँवर पाल सिंह, के. वी. प्रसाद, नमिता, मार्कण्डेय सिंह एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	• संस्थान किस्म विमोचन समिति, 2004
अधिसूचना विवरण	• -
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फूल)	• 50-60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	• 60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • यह किस्म गुलाब के हाइब्रिड टी समूह के अंतर्गत आती है। • इस किस्म पर बड़े आकार के लम्बी टहनी पर गहरे लाल रंग के फूल आते हैं, पंखुड़ियाँ मोटी माँसल जैसी होती है जिनकी संख्या 38 तक प्रति फूल होती है। • यह किस्म लाल खपरा तथा चूर्णी फंफूदी को सहन कर लेती है। • फूलों में हल्की खुशबू होती है जो कर्तित एवं नुमाइश के लिए उपयुक्त है। • यह किस्म टी बडिंग द्वारा प्रवर्धित की जाती है। • यह बगीचे में उगाने तथा पुष्प सज्जा के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	• ए. पी. सिंह, के वी प्रसाद, एम एल चौधरी एवं कँवर पाल सिंह



विमोचन	• संस्थान किस्म विमोचन समिति, 2005
अधिसूचना विवरण	• -
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फूल)	• 50-60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	• 60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • यह किस्म गुलाब के हाइब्रिड टी समूह के अंतर्गत आती है। • यह किस्म बहुत आकर्षित हल्के गुलाबी रंग के फूल पैदा करती है जिस पर पंखुड़ियों की संख्या 35 तक होती हैं। • इस किस्म में चूर्णी फंफूदी तथा पत्ती धब्बा रोगों से मध्यम रूप से सहन करने की क्षमता होती है। • इसके फूल हल्की खुशबूदार होते हैं, जो कर्तित एवं नुमाइश के लिए उपयुक्त है। यह किस्म टी बडिंग द्वारा प्रवर्धित की जाती है। • यह बगीचे में उगाने तथा पुष्प सज्जा के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	• ए. पी. सिंह, के वी प्रसाद, एम एल चौधरी, कँवर पाल सिंह एवं रमेश चंद



विमोचन	• संस्थान किस्म विमोचन समिति, 2005
अधिसूचना विवरण	• -
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फूल)	• 50-60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	• 60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • यह किस्म गुलाब के हाइब्रिड टी समूह के अंतर्गत आती है। • इसकी पत्तियाँ भी रंगीली जैसी चिकनी होती हैं जिस पर गहरे गुलाबी रंग के फूल तथा 35.पंखुड़ियों के साथ लगे रहते हैं। • इस किस्म पर बार-बार फूल आते हैं, यह भी चूर्णी फंफूदी तथा काला धब्बा रोगों से लड़ने के लिए मध्यम रूप से सहन करने की क्षमता रखती है। • यह किस्म भी कर्तित एवं नुमाइश के लिए उपयुक्त है तथा फूलों में हल्की खुशबू होती है। • यह किस्म टी बडिंग द्वारा प्रवर्धित की जाती है। • यह बगीचे में उगाने तथा पुष्प सज्जा के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	• ए. पी. सिंह, के वी प्रसाद, एम एल चौधरी एवं कॅवर पाल सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> संस्थान किस्म विमोचन समिति, 2005
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> -
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 50-60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह किस्म गुलाब के फ्लोरिबण्डा समूह के अंतर्गत आती है। यह किस्म भी पूरी तरह से कांटे रहित होती है जिस पर 60 फूल प्रति पौधा होते हैं। फूल गुच्छों में पैदा होते हैं जिनका रंग बहुत ही आकर्षक एवं गुलाबी होता है। एक फूल में 50-60 तक हल्की गुलाबी रंग की पंखुड़ियाँ होती है। यह किस्म भी मध्यम रूप से चूर्णी फफूंदी, काला धब्बा रोगों एवं थिप्स जैसे कीड़े से लड़ने की क्षमता रखती है। यह किस्म गमले एवं क्यारियों में उगाने के लिए उपयुक्त है तथा फूलों में मध्यम रूप से खुशबू भी होती है। यह किस्म टी बडिंग द्वारा प्रवर्धित की जाती है। यह बगीचे में उगाने तथा पुष्प सज्जा के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. पी. सिंह, के वी प्रसाद, एम एल चौधरी एवं कॅवर पाल सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> संस्थान किस्म विमोचन समिति, 2002
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> -
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 50-60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 60 फूल प्रति पौधा प्रति वर्ष
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 45-60 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह किस्म गुलाब के हाइब्रिड टी समूह के अंतर्गत आती है। यह किस्म काँटा रहित होती है। पंखुड़ियों का रंग लाल जो विपरीत दिशा में भी होता है। फूलों की पैदावार 20 फूल प्रति पौधा शरद ऋतु में तथा 45 फूल वसन्त ऋतु में मिल जाते हैं। यह किस्म काला धब्बा रोग को सहन कर लेती है तथा उत्तरी मैदानी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। यह किस्म टी बडिंग द्वारा प्रवर्धित की जाती है। यह बगीचे में उगाने तथा पुष्प सज्जा के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> ए. पी. सिंह, के वी प्रसाद, एम एल चौधरी, कँवर पाल सिंह एवं रमेश चंद



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2012
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/2534 दिनांक 17/02/2012
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 18-20 टन प्रति हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 20 टन प्रति हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 100-110 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह फ्रांसीसी समूह की प्रजाति है। यह किस्म उत्तरी मैदानी क्षेत्र में मध्यम आकार के हल्के नारंगी तथा मध्य दिसम्बर में मध्य फरवरी तक फूल देती है। यह खुले फूलों तथा क्यारियों/ भूदृश्य निर्माण हेतु उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> कँवर पाल सिंह, किशन स्वरूप, डी. वी. एस. राजू, राजवीर सिंह एवं एस के राय



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2017 केन्द्रीय किस्म विमोचन समिति, 2024
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 912-928 दिनांक 19/01/2018 सी वी आर सी (एफ. न. 3-76/2024.SD-IV दिनांक 23 सितम्बर, 2024) भारत राजपत्र) (REGD. No. D. L-33004/99) (CG-DL-E-14112024-258647) दिनांक 13 नवम्बर, 2024).
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 52-30 टन प्रति हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 टन प्रति हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 90-100 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह अफ्रीकी समूह की प्रजाति है। इसके पौधे जोरदार प्रवृत्ति के होते हैं जिनकी ऊंचाई 75-85 से. मी. है। इसके पुष्प सुगठित, चपटे, आकर्षक एवं बड़े आकार के होते हैं जिनका रंग पीला होता है। यह प्रजाति अधिक फूल देने वाली है जो कि प्रति पौधा 50-60 फूल देती है। भारत के उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में इसकी बीजाई मध्य सितम्बर से मध्य अक्टूबर में की जाती है तथा इसका पुष्पन मध्य जनवरी से मार्च में होता है। यह प्रजाति क्यारियों / भूदृश्य निर्माण एवं अन्य फूल सजावट हेतु उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> कँवर पाल सिंह, डी. वी. एस. राजू, नमिता, प्रभात कुमार, सपना पंवर एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2017
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 912-928 दिनांक 19/01/2018
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 18-20 टन प्रति हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 20 टन प्रति हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 85-95 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह फ्रांसीसी समूह की अगेती प्रजाति है। इसके पौधे मध्यम कद वाले होते हैं जिनकी ऊंचाई 55-65 से. मी. तथा फैलाव 50-55 से. मी. होता है। इसके पुष्प सुगठित एवं मध्यम आकार के होते हैं जिनका रंग गहरा लाल होता है। यह प्रजाति अधिक फूल देने वाली है जो कि प्रति पौधा 80-90 फूल देती है। भारत के उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में इसकी बीजाई जुलाई माह में की जाती है तथा इसका पुष्पन अक्टूबर से नवंबर में होता है। यह खुले फूलों हेतु उपयुक्त है तथा यह त्योहारों के समय में फूल देती हैं।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> कैवर पाल सिंह, डी. वी. एस. राजू, नमिता, प्रभात कुमार, सपना पंवर एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2022
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 220-266 दिनांक 17/01/2023
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 18-20 टन प्रति हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 20 टन प्रति हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 105-115 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह फ्रांसीसी समूह की प्रजाति है। इसके पौधे मध्यम कद वाले होते हैं जिनकी ऊंचाई 70-80 से. मी. तथा फैलाव 65-70 से. मी. होता है। इसके पुष्प सुगठित एवं मध्यम आकार के होते हैं जिनका रंग गहरा लाल होता है। यह प्रजाति अधिक फूल देने वाली है जोकि प्रति पौधा 75-85 फूल देती है। भारत के उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में इसकी बीजाई जुलाई माह में की जाती है तथा इसका पुष्पन अक्तूबर से नवंबर में होता है। यह खुले फूलों तथा क्यारियों / भूदृश्य निर्माण हेतु उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> कँवर पाल सिंह, प्रभात कुमार, सपना पंवर, रीता भाटिया डे, नमिता, एस. एस. सिंधु एवं कमलेश कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2022
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 220-266 दिनांक 17/01/2023
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 18-20 टन प्रति हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 20 टन प्रति हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 100-110 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह फ्रांसीसी समूह की प्रजाति है। इसके पौधे मध्यम कद वाले होते हैं जिनकी ऊंचाई 60-70 से. मी. तथा फैलाव 60-65 से. मी. होता है। इसके पुष्प सुगठित एवं मध्यम आकार के होते हैं जिनका रंग नारंगी होता है। यह प्रजाति अधिक फूल देने वाली है जो कि प्रति पौधा 70-80 फूल देती है। भारत के उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में इसकी बीजाई जुलाई माह में की जाती है तथा इसका पुष्पन अक्टूबर से नवंबर में होता है। यह खुले फूलों तथा क्यारियों/ भूदृश्य निर्माण हेतु उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> कँवर पाल सिंह, प्रभात कुमार, सपना पंवर, रीता भाटिया डे, नमिता, एस. एस. सिंधु एवं कमलेश कुमार



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति, 2022
अधिसूचना विवरण	• एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 220-266 दिनांक 17/01/2023
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• खरीफ
औसत उपज (फूल)	• 10-15 टन प्रति हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	• 15 टन प्रति हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 110-120 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • इसमें लाल किरण पुष्पों के साथ मध्यम आकार के फूल (6.44 सेमी) लगते हैं। • पौधा 70 सेमी के अच्छे फैलाव के साथ 60 सेमी की ऊंचाई प्राप्त करता है। • इसमें मध्यम आकार के (6.44 सेमी) लाल फूल लगते हैं। • खेत की परिस्थितियों में फूल लंबी अवधि (60 दिन) तक रहते हैं। • जब पूरी तरह खिलते हैं तो इसके शानदार गहरे लाल फूल लाल रंग का सुंदर सुरम्य प्रभाव देते हैं। • यह चयन अजैविक परिस्थितियों में उद्यान प्रदर्शन के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	• अजय कुमार तिवारी, गुंजित कुमार, प्रतिभा आनंद, एस. एस. सिंधु एवं ए एस धामा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2021
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 2332-2373 दिनांक 12/02/2021
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 110-120 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधा 67 सेमी के अच्छे फैलाव के साथ 38 सेमी की ऊंचाई प्राप्त करता है। इसमें पीले किरण पुष्प और पीले डिस्क के साथ मध्यम आकार के फूल (4.44 सेमी) लगते हैं। खेत की परिस्थितियों में फूल लंबी अवधि (40 दिन) तक रहते हैं। जब पूरी तरह खिलते हैं तो इसके शानदार पीले फूल सुनहरे रंग का सुंदर सुरम्य प्रभाव देते हैं। यह किस्म पॉट मम और उद्यान प्रदर्शन प्रयोजनों के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> अजय कुमार तिवारी, गुंजित कुमार, वनलालरुआती, प्रतिभा आनंद, एस. एस. सिंधु एवं ए एस धामा



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति, 2017
अधिसूचना विवरण	• एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 912-928 दिनांक 19/01/2018
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• खरीफ
औसत उपज (फूल)	• उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
अधिकतम उपज (फूल)	• उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 110-120 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • पौधा 50 सेमी के अच्छे फैलाव के साथ 58 सेमी की ऊंचाई प्राप्त करता है। • पौधा इसमें नारंगी लाल किरण पुष्प और पीले डिस्क के साथ अर्ध डबल मध्यम आकार के फूल (3.8 सेमी) लगते हैं। • पुष्पक्रम कोरिंब होता है और फूल लगभग समान ऊंचाई पर लगते हैं। • खेत की परिस्थितियों में फूल लंबी अवधि (48 दिन) तक रहते हैं। • इसमें पिचिंग और स्टेकिंग की आवश्यकता नहीं होती है। • यह किस्म स्प्रे और पॉट कल्चर उद्देश्यों के लिए उपयुक्त है
प्रजनक	• गुंजित कुमार, के वी प्रसाद एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति, 2017
अधिसूचना विवरण	• एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 912-928 दिनांक 19/01/2018
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• खरीफ
औसत उपज (फूल)	• उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
अधिकतम उपज (फूल)	• उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 110-120 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • पौधा 48 सेमी के अच्छे फैलाव के साथ 41 सेमी की ऊंचाई प्राप्त करता है। • पौधा अर्ध-फैलाने वाले विकास की आदत वाला है। • इसमें सफेद किरण पुष्प और पीले डिस्क के साथ अर्ध डबल मध्यम आकार के फूल (6.0 सेमी) लगते हैं। • खेत की परिस्थितियों में फूल लंबी अवधि (40 दिन) तक रहते हैं। • जब पूरी तरह खिलते हैं तो इसके शानदार सफेद फूल बर्फ का सुंदर सुरम्य प्रभाव देते हैं। • यह किस्म स्प्रे और पॉट कल्चर उद्देश्यों के लिए उपयुक्त है
प्रजनक	• गुंजित कुमार, के वी प्रसाद एवं एस. एस. सिंधु



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 200-300 पुष्प/पौधा (सप्रे टाइप)
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 300 पुष्प/पौधा (सप्रे टाइप)
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 90-100 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे झाड़ीदार (20-25 शाखाएं), ऊंचाई में बेहद बौने (25-30 सेमी) और उत्कृष्ट फैलाव (50-55 सेमी) हैं। यह किस्म एक सप्रे प्रकार है जो एकल फूल पैदा करती है जो पीले रंग के होते हैं। अन्य किस्मों की तुलना में इस किस्म में कम से कम 20 दिन पहले फूल आते हैं। यह किस्म पॉट मम्मस के लिए आदर्श रूप से अनुकूल है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> के वी प्रसाद, टी जानकीराम, डी. वी. एस. राजू, सुरिंदर कुमार एवं संजय कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दिनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 300-400 पुष्प/पौधा (सप्रे टाइप)
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 400 पुष्प/पौधा (सप्रे टाइप)
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 100-110 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे झाड़ीनुमा (30-35 शाखाएँ), मध्यम ऊंचाई (55-60 सें.मी.) तथा मध्यम फुलावदार (45-50 सें.मी.) के होते हैं। तारकाकृति पुष्प का रंग पीला एवं नारंगी मिश्रित होता है। यह एक बहुत आकर्षक प्रजाति है। इसका उपयोग गमले एवं पुष्प प्रदर्शनी में किया जा सकता है। यह आकर्षक प्रजाति उद्यान के लिए बहुत उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> के वी प्रसाद, टी जानकीराम, डी. वी. एस. राजू, सुरिंदर कुमार एवं संजय कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दिनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> एकल पादप चयन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 400-500 पुष्प/पौधा (सप्रे टाइप)
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 500 पुष्प/पौधा (सप्रे टाइप)
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 110-120 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे झाड़ीनुमा (20-30 शाखाएँ), लम्बी ऊंचाई (60-65 सें.मी.) तथा अधिक फैलावदार (60-65 सें.मी.) होते हैं। चम्मच आकार के किनारे वाले पुष्प, रंग गहरा लाल होता है। इसका उपयोग गमले, पुष्प प्रदर्शनी एवं भूदृश्य आलेखन में किया जा सकता है। यह प्रजाति गमलों एवं बगीचों के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> के वी प्रसाद, टी जानकीराम, डी. वी. एस. राजू, सुरिंदर कुमार एवं संजय कुमार



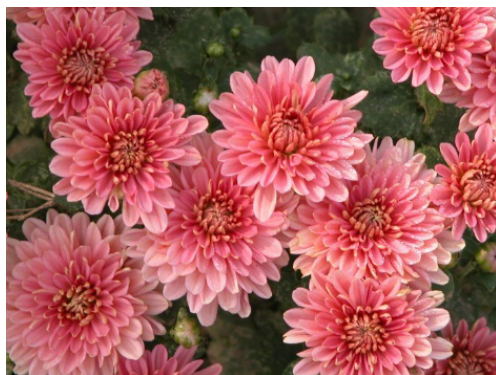
विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दिनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> थाई चैन क्वीन की प्रेरित उत्परिवर्ती
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 पुष्प/वर्ग मीटर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 पुष्प/वर्ग मीटर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 110-120 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे झाड़ीनुमा (20-30 शाखाएं), लम्बी ऊँचाई (60-65 सें.मी.) तथा अधिक फैलावदार (60-65 सें.मी.) होते हैं। पुष्प का रंग गहरा मैजंटा होता है। इसका उपयोग गमले, पुष्प प्रदर्शनी एवं भूदृश्य आलेखन में किया जा सकता है। यह किस्म कर्तित पुष्प उत्पादन एवं गमलों के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> के वी प्रसाद, टी जानकीराम, किशन स्वरूप, डी. वी. एस. राजू, सुरिंदर कुमार एवं संजय कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दिनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> थाई चेन क्वीन की प्रेरित उत्परिवर्ती
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 पुष्प/वर्ग मीटर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 30 पुष्प/वर्ग मीटर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 110-120 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पौधे मध्यम ऊँचाई वाले (50-55 सें.मी.) एवं अच्छे फैलावदार (60-65 सें.मी.) होते हैं। पुष्प गुलाबी एवं बड़े आकार (7-8 सें.मी. व्यास) के होते हैं। यह किस्म कठिन पुष्प उत्पादन एवं गमलों के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> के वी प्रसाद, टी जानकीराम, किशन स्वरूप, डी. वी. एस. राजू, सुरिंदर कुमार एवं संजय कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2012
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/2534 दिनांक 17/02/2012
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> पहाड़ी एवं समतल क्षेत्र में बे-मौसम में फूल लेने के लिए उपयुक्त
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> गामा रे के इन्ड्रुड म्युटेंट कल्टीवर अजय से विकसित (प्रेरित उत्परिवर्तन)
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 100-150 फूल/पौधा
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 150 फूल/पौधा
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 85-100 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> झाडीनुमा अधिक संख्या में फूल, रंग पीलापन लिए हुए गुलाबी तथा तापमान व प्रकाश असंवेदनशील वर्ष में तीन बार पुष्पन (अक्तूबर-नवम्बर, फरवरी-मार्च तथा जून- जुलाई) 85-100 दिनों में पुष्प उपलब्ध तथा खुले फूल (लूज फूल) तथा पूरे पौधे को फूलों के साथ काट कर उपयोग करने के लिए एक आदर्श प्रजाति, पौधे पर फूल 20-22 दिन तक ताजा रहते हैं तथा उतनी ही फलूदान आयु हाती है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> के वी प्रसाद, एम एल चौधरी, ए. पी. सिंह, किशन स्वरूप, डी. वी. एस. राजू, सुरिंदर कुमार एवं संजय कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2012
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/2534 दिनांक 17/02/2012
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> थाइ चिन क्वीन के गामा रे इन्डुस म्युटेंट (पेरित उत्परिवर्तन)
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> खरीफ
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 10-12 मानक फूल/पौधा
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 12 मानक फूल/पौधा
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 100-110 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह एक बहुत ही शीघ्र उगने वाली जाति है, जिस पर बहुत बड़े आकार के पीले फूल आते हैं। प्रतिरोपण के 100 से 110 दिन में फूल देती है तथा कटे फूलों के लिए आदर्श मानी जाती हैं। पौधे पर फूल 20-22 दिन तक ताजा खिले रह सकते हैं तथा उतनी ही उनकी वेस लाइफ भी होती है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> के वी प्रसाद, एम एल चौधरी, किशन स्वरूप, डी. वी. एस. राजू, सुरिंदर कुमार एवं संजय कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2023
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 220-266 दिनांक 17/01/2023
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> बिंदिया × क्रीमी ग्रीन के क्रास द्वारा विकसित
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,50,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर.
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 104-108 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> इस किस्म के पौधों की ऊंचाई 120-143 सें.मी. होती है। यह एक मध्य. अवधि की किस्म है। इसकी पुष्प डंडियां 116-134 सें.मी. लंबी होती हैं और रेचिस की लंबाई 80-84 से मी तक होती है। इसके फूल सफेद रंग के होते हैं जिन पर हल्के लाल रंग का छायांकन होता है। यह एक बहुरंगी किस्म है। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं और इन्हें किसी भी अवसर पर विभिन्न प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा सकता है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> किशन स्वरूप, कँवर पाल सिंह, प्रभात कुमार, एस एस सिंधु, आर एल मिश्रा, मस्त राम धीमान एवं के एल मीणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2021
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 2332-2373 दिनांक 12/02/2021
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> येलो स्टोन × मेलोडी क्रास द्वारा विकसित
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,25,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,50,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,25,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 100-105 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह एक मध्य अवधि की किस्म है। इसकी पुष्प डंडियां ≥ 120 सें.मी. लंबी होती हैं। प्रति पुष्प डंडी पर फूलों की संख्या 19-21 तक होती है। यह एक बहुरंगी किस्म है। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं और इन्हें किसी भी अवसर पर विभिन्न प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा सकता है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> किशन स्वरूप, कॅवर पाल सिंह, प्रभात कुमार, टी जानकीराम एस एस सिंधु, मस्त राम धीमान एवं के एल मीणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2015
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 686 दिनांक 16/10/2015
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकर द्वारा विकसित
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,50,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 105 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह एक मध्य अवधि की किस्म है। इसकी पुष्प डंडियां ≥ 98 सें.मी. लंबी होती हैं और रेचिस की लंबाई 80-84 से मी तक होती है। भीतरी पखुड़ियों के आधार पर दोपीली बिंदियाँ तथा गर्दन पर दो इंद्रधनुषी पट्टियाँ इसे और आकर्षक बनाती हैं। यह एक बहुरंगी किस्म है। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं और इन्हें किसी भी अवसर पर विभिन्न प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा सकता है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> किशन स्वरूप, टी जानकीराम, कँवर पाल सिंह, प्रभात कुमार, एस एस सिंधु, मस्त राम धीमान एवं के एल मीणा



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/408 दिनांक 06/06/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> बेरल्यु × हैडी वाइन के क्रॉस द्वारा विकसित
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,50,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 107 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह प्रजाति 115 सें. मी. तक बढ़ती है, जिसपर पुष्पक की संख्या लगभग 16-20 तक होती है। स्पाईक लम्बी एवं मजबूत होती है तथा रैचिस की लम्बाई 56 सें.मी. से अधिक होती है। फूल का रंग बैंगनी होता है। फूलदान आयु लगभग 7 दिन की होती हैं। दो भीतरी पंखुड़ियों और गर्दन पर सफेद धब्बे होते हैं। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं जो गुलदस्ता तैयार करने और फूलों की सजावट के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> आर एल मिश्रा, किशन स्वरूप एवं टी जानकीराम



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2015
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/408 दिनांक 06/06/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> संकरण द्वारा विकसित
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,50,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 73 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह प्रजाति 85 सें.मी. से अधिक लम्बी शूकी पैदा करती है। जिस पर पुष्पक की संख्या 15-17 तक होती है। इसकी रैचिस की लम्बाई 49 सें.मी. तक होती है। यह एक अगेती संकर प्रजाति हैं, जिसमें सामान्यतः 73 दिन बाद फूल आ जाते है। पुष्पक बैंगनी रंग की होती हैं। यह प्रजाति बगीचे एवं भू-दृश्य आलेखन के लिए उपयुक्त है। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं जो गुलदस्ता तैयार करने और फूलों की सजावट के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> आर एल मिश्रा, किशन स्वरूप एवं टी जानकीराम



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	• एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दिनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• रीजेन्सी प्रजाति के परंपरागत अंकुर आबादी से चयन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फूल)	• 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,50,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	• 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 95 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • पौधे हरे रंग के स्वस्थ एवं सीधे होते हैं। • शूकी लम्बी तथा सीधी होती है तथा रेचिस की लम्बाई लगभग 50-55 सें. मी. होती है, जिस पर पुष्पक की संख्या 18-19 तक पायी जाती है। • पुष्पक का रंग ईट या रक्त की तरह लाल एवं निचले वाले दलों पर किरणों की भांति छोटी लकीरें, इसे अत्यन्त आकर्षक बनाती हैं। • फूलदान आयु लगभग 10 दिन की होती है। • इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं जो गुलदस्ता तैयार करने और फूलों की सजावट के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	• टी जानकीराम, किशन स्वरूप एवं पी नवीन कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दिनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> मेलोडी × बेरल्यु के संकरण द्वारा विकसित
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,50,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 80-85 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> इस प्रजाति के पौधे हल्के हरे रंग के, स्वस्थ एवं सीधे होते हैं। बोने के 80-85 दिन बाद फूल खिलने लगते हैं। शूकी सीधी एवं लम्बी होती है। जिस पर 15-16 पुष्पक बैंगनी सफेद रंग की होती हैं। फूलदान आयु लगभग 10-11 दिन की होती है। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं जो गुलदस्ता तैयार करने और फूलों की सजावट के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> टी जानकीराम, किशन स्वरूप एवं पी नवीन कुमार



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2013
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/475-499 दिनांक 16/07/2013
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> मयूर तथा हंटिंग सोंग के संकरण द्वारा विकसित
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,20,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,30,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,20,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 80-85 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पुष्पक का रंग केसरी लाल जिस पर पतली सफेद धारी बनी होती है। शूकी की लम्बाई (93 सें. मी.) तथा रैचिस की लम्बाई भी 55 सें. मी. तक होती है। पुष्पक की संख्या 19 से 21 तक होती है। पुष्प आकर्षक होते हैं, फूलदान आयु लगभग 10 दिन तक होती है। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं जो गुलदस्ता तैयार करने और फूलों की सजावट के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> टी जानकीराम, किशन स्वरूप एवं पी नवीन कुमार



विमोचन	• राज्य किस्म विमोचन समिति, 2012
अधिसूचना विवरण	• एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/2534 दिनांक 17/02/2012
अनुमोदित क्षेत्र	• राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	• एकल पादप चयन
ऋतु	• रबी
औसत उपज (फूल)	• 2,20,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,30,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	• 2,20,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	• 75 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> • पुष्पक का रंग सफेद होता है, जो लम्बी एवं मजबूत स्पाइक से जुड़े रहते हैं। • पुष्पक की संख्या 16-19 प्रति स्पाइक है। • यह अगेती प्रजाति है, जो बुवाई के 75 दिन बाद फूल देने लगती है। • प्रति पौधे कन्दों की संख्या भी अधिक है तथा फूलदान आयु 10 दिन की है। • इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं जो गुलदस्ता तैयार करने और फूलों की सजावट के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	• आर एल मिश्रा, किशन स्वरूप एवं टी जानकीराम



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2012
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/2011-12/पी ओ/2534 दिनांक 17/02/2012
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> लक्की शैमराक × ग्रीन लिलाक ओपन
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> रबी
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर; 2,30,000 कंद/हेक्टेयर
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> 2,00,000 पुष्प डंडी/हेक्टेयर
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> 72 दिन रोपण उपरांत
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> पुष्पक का रंग क्रीमी से पीलापन लिए हुए जिनकी संख्या 14-16 प्रति शूकी होती है। यह एक अगेती प्रजाति है, जिसके फूल बने के 72 दिनों में खिलने लगते हैं। प्रति पौधे कन्दों की संख्या भी अधिक है तथा फूलदान आयु 10 दिन की है। इसके फूल अत्यधिक आकर्षक होते हैं जो गुलदस्ता तैयार करने और फूलों की सजावट के लिए उपयुक्त है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> पी नवीन कुमार, आर एल मिश्रा एवं कँवर पाल सिंह



विमोचन	<ul style="list-style-type: none"> राज्य किस्म विमोचन समिति, 2023
अधिसूचना विवरण	<ul style="list-style-type: none"> एफ 10 (1) (2) एस आई/टी ऐ/उप-समिति/2017-18/ 220-266 दिनांक 17/01/2023
अनुमोदित क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
प्रजनन विधि	<ul style="list-style-type: none"> टॉर्च ग्लो किस्म का एक मुकुल उत्परिवर्तन (बड स्पोर्ट)
ऋतु	<ul style="list-style-type: none"> वर्ष भर
औसत उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
अधिकतम उपज (फूल)	<ul style="list-style-type: none"> उपज की कटाई के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
प्रथम तुड़ाई (दिन)	<ul style="list-style-type: none"> -----
विशेषताएं	<ul style="list-style-type: none"> यह मध्यम फूल, मध्यम ऊंचाई और सीधी वृद्धि वाली किस्म है। इसकी पत्तियाँ चित्तीदार होती हैं (किनारे पीले एवं क्रीम रंग का और बीच का रंग हल्का हरा होता है) एवं सहपत्र (ब्रैक्ट्स) बैंगनी समूह में आते हैं। इस किस्म की सहपत्र (ब्रैक्ट्स) और चित्तीदार पत्तियाँ बगीचे के लिए बहुत आकर्षक हैं। इसका प्रवर्धन हार्ड वुड कटिंग एवं गूटी द्वारा किया जाता है। यह किस्म कीटों और बीमारियों के लिए भी प्रतिरोधी है। यह किस्म पिछले वर्षों में चित्तीदार (रंग-बिरंगी) पत्तियों एवं आकर्षक फूलों (सहपत्र) के कारण अत्यधिक लोकप्रिय हुई है।
प्रजनक	<ul style="list-style-type: none"> एस एस सिंधु, बबीता सिंह एवं एन के सक्सेना





प्रो. एम एस स्वामीनाथन पुस्तकालय
Prof. M S SWAMINATHAN LIBRARY